माघ शुक्ल - 13 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 11 ■ अंक - 178 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » मंगलवार » 23-01-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 विराट कोहली निजी कारणों से इंग्लैंड के खिलाफ शुरुआती दो टेस्ट से हटे

6 विश्व भूमि पर अब भगवान राम का आदर्श करेगा राज

7 कंगना ने लगाये 'श्रीराम' के जयकारे'

फर्स्ट टेक

'प्रधानमंत्री सूर्योदय योजना' की शुरुआत

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि केंद्र सरकार 'प्रधानमंत्री सूर्योदय योजना' आरंभ करेगी जिसके तहत एक करोड़ घरों की छतों (रूफटॉप) पर सोलर पैनल लगाए जाएंगे। मोदी ने अयोध्या में भव्य राम मंदिर में रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होकर दिल्ली लौटने के बाद यह घोषणा की। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, सूर्यवंशी भगवान श्री राम के आलोक से विश्व के सभी भक्तगण सदैव ऊर्जा प्राप्त करते हैं। आज अयोध्या में प्राण-प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर मेरा ये संकल्प और प्रशस्त हुआ कि भारतवासियों के घरों की छतों पर उनका अपना सोलर रूफ टॉप सिस्टम हो।

मुर्मु ने प्रदान किये प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार

नई दिल्ली/वार्ता। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को असाधारण क्षमताओं और उत्कृष्ट उपलब्धियों वाले बच्चों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2024 प्रदान किये। श्रीमती मुर्मु ने राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित एक समारोह में नौ लड़के और 10 लड़कियों को राष्ट्रीय बाल पुरस्कार दिये।

इस अवसर पर केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी , मंत्रालय में राज्य मंत्री महेंद्र भाई मुंजपरा और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। राष्ट्रपति ने प्रत्येक पुरस्कृत बच्चें को एक पदक, प्रमाण पत्र और एक प्रशस्ति पुस्तिका दी।

मेरी स्थिति भी वशिष्ठ ऋषि जैसी: रामभद्राचार्य

अयोध्या/वार्ता। जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने सोमवार को कहा कि जब भगवान राम 14 वर्ष के वनवास के बाद लौटे थे तो उनकी स्थिति भी वशिष्ठ ऋषि जैसी ही थी। जगद्गुरु ने आज यहां राम जन्मभूमि मंदिर में राम लला के बाल स्वरूप विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के बाद संवाददाताओं से कहा, मैं अभी भी भावुक हूं। आज मेरी स्थिति वशिष्ठ की स्थिति के समान है जब भगवान राम वनवास के बाद अयोध्या लौटे थे। मुझे और क्या कहना चाहिए।

23-01-2024 सूर्यास्त	24-01-2024 सूर्योदय
6:05 बजे	6:35 बजे

BSE	NSE
71,423.65	21,571.80
(+236.79)	(+109.55)

सोना	चांदी
6,488 रु.	77,200 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

भव्य मंदिर में पधारे सूर्यवंशी रघुकुल नंदन

सोमवार मध्याह्न में 12 बजकर 29 मिनट पर रामलला के नवीन विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा की गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या/एजेन्सी। करीब 500 वर्षों तक सनातन धर्मालंबियों के धैर्य, संयम और तप की परीक्षा लेने के बाद सूर्यवंशी रघुकुल नंदन भगवान श्रीराम पौष मास की द्वादिशी को अभिजीत मुहुर्त में अपने नये मंदिर में पधारे जिनका सत्कार मंगल ध्वनि और भीगी पलकों से देश दुनिया में फैले करोड़ों श्रद्धालुओं ने किया। श्रीरामजन्मभूमि पर नवनिर्मित मंदिर की छटा देखते ही बनती थी जब दोनो हाथों में चांदी का छत्र लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश किया और वैदिक आचार्य सुनील शास्त्री की अगुवाई में 121 प्रकांड विद्वानो ने उनसे संजीवनी योग में मंत्रोच्चार के बीच श्याम वर्ण रामलला की किशोरावस्था प्रतिमा के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को पूर्ण कराया। अभिजीत मुहुर्त दोपहर 12 बजकर 29 मिनट से शुरु होकर 84 सेकेंड तक का था जिसके पूरा होने के साथ ही मंदिर प्रांगढ़ जय श्रीराम के उदघोष से गूंज उठा और विभिन्न वाद्ययंत्रों से बधाई गीत के मधुर सुरों ने वातावरण को भक्तिमय मिठास घोल दी। इसके साथ ही आसमान से मंदिर प्रांगढ में पुष्प वर्षा की जाने लगी।

श्रीरामलला के बाल विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा के साथ ही स्वर्ण सिंहासन पर विराजमान 1949 से पूजित रामलला की प्रतिमाओ का पूजन मोदी ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच किया। गर्भ गृह में मोदी के साथ राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत,राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मौजूद थे वहीं इस दिव्य क्षण का साक्षी बनने मंदिर प्रांगढ़ में कई अजीम हस्तियां उपस्थति थीं।

अयोध्या नगरी पिछले तीन दिनो से कोहरे और भयंकर शीतलहर की चपेट में थी मगर आज प्राण प्रतिष्ठा समारोह से ठीक पहले सूर्यदेव ने बादलों की ओट से झांक कर प्रभु श्रीराम के दर्शन किये जबकि बाद में चटक धूप ने सूर्यवंशी राजा राम का स्वागत नये भवन में किया। इससे पहले श्रीरामजन्मभूमि तीर्थक्षेत्र के महासचिव चंपत राय ने मंदिर निर्माण में लगे शिल्पकारों के प्रति आभार व्यक्त किया और मंदिर निर्माण एवं प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में सहयोग एवं उपहार देने वाली संस्थाओं और महानुभावों के प्रति कृतज्ञता का इजहार किया।

वैदिक मंत्रोच्चार के बीच श्रीरामलला के बाल विग्रह की हुई प्राण प्रतिष्ठा

युगों के लंबे इंतजार के बाद हमारे राम आ गए हैं : मोदी

प्रधानमंत्री इस दौरान अपने हाथ में लाल रंग के कपड़े में लिपटा हुआ चांदी का एक छत्र भी लेकर आए थे।

अयोध्या (उप्र)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में सोमवार को अयोध्या के मंदिर में रामलला की नई मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की गई। मोदी ने इस क्षण को नए युग के आगमन का प्रतीक करार दिया। लोकसभा चुनाव से कुछ महीने पहले ही आयोजित इस प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लाखों लोगों ने अपने घरों और पड़ोस के मंदिरों में टेलीविजन पर देखा। एक आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि मध्याह्न में 12 बजकर 29 मिनट पर रामलला के नवीन विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा की गई। मोदी ने अपने संबोधन में कहा, आज, हमारे राम आ गए हैं। युगों के लंबे इंतजार के बाद हमारे राम आ गए हैं। हमारे रामलला अब तंबू में नहीं रहेंगे। हमारे रामलला एक भव्य मंदिर में रहेंगे। उन्होंने याद दिलाया कि ऐसा समय था जब कुछ लोगों ने कहा था कि अगर मंदिर बनाया गया तो देश में आग लग जाएगी। मोदी ने कहा, मैं उन लोगों से पुनर्विचार करने का आग्रह करूंगा। राम अग्नि नहीं बल्कि ऊर्जा हैं। राम कोई विवाद नहीं हैं, बल्कि समाधान हैं। राम सिर्फ हमारे नहीं हैं, बल्कि सभी के हैं। राम सिर्फ वर्तमान नहीं हैं, बल्कि अनंत काल हैं। प्रधानमंत्री ने 84 सेकंड के 'अभिजीत मुहूर्त' के दौरान 'प्राण प्रतिष्ठा' के साथ 'गर्भगृह' में कई अनुष्ठान किए। अंत में मोदी ने राम के बाल रूप की 51 इंच की मूर्ति को साष्टांग प्रणाम किया।

मतभेद त्याग कर एकजुट रहें

अयोध्या (उप्र)/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने सोमवार को भगवान राम के बाल स्वरूप के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा के बाद कहा कि राम राज्य आ रहा है और देश में सभी को मतभेद त्याग कर एकजुट रहना चाहिए। अयोध्या में श्री रामलला के नवीन विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा के बाद यहां आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए मोहन भागवत ने कहा ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अकेले ही तप किया है और अब हम सभी को यह करना है। भागवत ने कहा कि अयोध्या में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा के साथ साथ भारत का आत्म गौरव भी लौटा है। उन्होंने कहा ''आज का कार्यक्रम नए भारत का प्रतीक है जो खड़ा होगा और पूरी दुनिया की मदद करेगा। उन्होंने कहा कि राम लला 500 साल बाद कई लोगों की तपस्या की वजह से वापस लौटे हैं और ''मैं उन लोगों के कठोर परिश्रम और त्याग को शत शत नमन करता हूं। भागवत ने कहा ''लेकिन राम क्यों गए ? वह इसलिए गए क्योंकि अयोध्या में कलह थी। राम राज्य आ रहा है और हमें सभी मतभेद त्याग कर, कलह खत्म कर छोटे छोटे मुद्दों पर लड़ना झगड़ना बंद करना होगा। हमें अपना अहंकार त्यागना होगा और एकजुट रहना होगा। उन्होंने कहा कि यह सर्वविदित है कि राम सर्वव्यापी हैं तथा हमें अपने बीच ही समन्वय करना होगा। उन्होंने कहा कि धर्म का पहला सत्य आचरण ही एकजुट रहना है।

राष्ट्रीय गौरव का ऐतिहासिक अवसर : योगी

अयोध्या (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या स्थित राम मंदिर में 'श्री राम लला' की प्राण प्रतिष्ठा को राष्ट्रीय गौरव का ऐतिहासिक अवसर और राम मंदिर को 'राष्ट्र मंदिर' बताते हुए कहा कि अवधपुरी में रामलला का विराजना रामराज्य की स्थापना की उद्घोषणा भी है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा राम मंदिर में भगवान राम के बाल स्वरूप के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा किए जाने के बाद उपस्थित जन समूह को संबोधित करते हुए कहा, श्री राम जन्मभूमि मंदिर की स्थापना भारत के सांस्कृतिक पुनर्जागरण का आध्यात्मिक अनुष्ठान है। यह राष्ट्र मंदिर है। निसंदेह श्री राम लला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा राष्ट्रीय गौरव का एक ऐतिहासिक अवसर है।

प्रधानमंत्री ने अपने सरकारी आवास पर राम ज्योति जलाई

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अयोध्या के श्रीराम मंदिर में राम लला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में सोमवार को सात, लोक कल्याण मार्ग स्थित अपने सरकारी आवास पर राम ज्योति जलाई। मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर इसकी तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, राम ज्योति। प्रधानमंत्री ने सोमवार दोपहर अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा, आज गांव-गांव में एक साथ कीर्तन, संकीर्तन हो रहे हैं। आज मंदिरों में उत्सव हो रहे हैं, स्वच्छता अभियान चलाए जा रहे हैं। पूरा देश आज दिवाली मना रहा है। आज शाम घर-घर राम ज्योति प्रज्वलित करने की तैयारी है। इससे पहले, उन्होंने प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में देशवासियों से अपने घरों में राम ज्योति जलाने की अपील भी की थी।

दुनियाभर में राम भक्तों ने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का उत्सव मनाया

वाशिंगटन/पोर्ट ऑफ स्पेन/भाषा। अयोध्या में सोमवार को हुई रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा का उत्सव मनाने के लिए राम भक्तों और भारतीय समुदाय के सदस्य न्यूयॉर्क के प्रतिष्ठित टाइम्स स्कवायर सहित दुनियाभर में विभिन्न स्थानों पर एकत्र हुए, प्रार्थना सभाएं कीं, कार रैली निकाली और अन्य धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए।

अमेरिका में न्यूयॉर्क के टाइम्स स्कवायर पर बड़ी संख्या में भारतीय समुदाय के सदस्य एकत्र हुए। उन्होंने अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह का सीधा प्रसारण देखा। लोगों को पारंपरिक पोशाक पहने, नृत्य करते, भजन और अन्य गीत गाते देखा गया।

वाशिंगटन में वर्जीनिया के फेयरफैक्स काउंटी में स्थित एसवी लोटस टेम्पल में सिख, मुस्लिम और पाकिस्तानी-अमेरिकी समुदाय के सदस्य भी इस समारोह में शामिल हुए। रविवार को हुए कार्यक्रम में 2,500 से ज्यादा लोग शामिल हुए।

अमेरिकी शेयर बाजार 'नैस्डैक' की स्क्रीन पर भी राम मंदिर की तस्वीरें प्रदर्शित की गईं।

अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह संपन्न होने के तुरंत बाद वर्ल्ड हिंदू काउंसिल ऑफ अमेरिका और विश्व हिंदू परिषद ऑफ कनाडा ने दोनों देशों में एक हजार से अधिक मंदिरों के दर्शन के लिए 'राम मंदिर यात्रा' की घोषणा की।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

राम-राज आभास

जन-जन के पूजा अर्चन से,
दिवस बहुत ही खास हो गया।
प्राण प्रतिष्ठा से अनुप्राणित,
विग्रह का विन्यास हो गया।
राम-राज आने वाला है,
सबको यह आभास हो गया।
राम लला आए निज मंदिर,
एक नया इतिहास हो गया।।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने की ओरछा के मंदिर में पूजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। मध्य प्रदेश में लोगों ने 'जय श्री राम' के नारों, भक्ति गीतों और प्रार्थनाओं के साथ सोमवार को अयोध्या के मंदिर में रामलला की नई मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा का उत्सव मनाया।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने ओरछा में राम राजा मंदिर से डिजिटल तरीके से प्राण प्रतिष्ठा समारोह को देखा। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ पहुंचे यादव ने निवाड़ी जिले में ओरछा के मंदिर में पूजा-अर्चना की। ओरछा को 'छोटी अयोध्या' के रूप में भी जाना जाता है। ऐसी मान्यता है कि भगवान राम दिन में ओरछा में रहते हैं और रात होने पर पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश की अयोध्या नगरी में विश्राम करते हैं।

ओरछा को राजा राम के साम्राज्य के रूप में जाना जाता है और ऐसा माना जाता है कि यह देश का एकमात्र ऐसा स्थान है, जहां राम को सिर्फ भगवान के तौर पर नहीं, बल्कि एक प्रिय राजा के रूप में भी पूजा जाता है। मंदिर के सूत्रों के अनुसार, भगवान राम के सम्मान में स्थानीय पुलिस द्वारा प्रतिदिन तीन बार 'सलामी गारद' दिया जाता है। विभिन्न जिलों के अलग-अलग इलाकों में 'प्रभात फेरियां' निकाली गईं, जिसमें रंग-बिरंगे वस्त्र पहने और भगवा झंडे पकड़े पुरुषों, महिलाओं और बच्चों ने ढोल की थाप के बीच भगवान राम की स्तुति में भक्ति गीत गाए। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह होने के तुरंत बाद भक्तों ने पूरे राज्य में पटाखे फोड़े। राज्य भर के मंदिरों में उत्सव जैसा माहौल था और चारों ओर अगरबत्तियों की सुगंध फैली हुई थी। राज्य के विभिन्न शहरों में सुबह से ही लोग मंदिरों में पूजा-अर्चना करने के लिए उमड़ पड़े और 'जय श्री राम' के नारे लगाते हुए एक-दूसरे को बधाई दी।

मुख्यमंत्री यादव ने रविवार को लोगों से अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को एक ऐतिहासिक समारोह बनाने की अपील की थी।

राममंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के मौके पर कश्मीर के कई मंदिरों में विशेष प्रार्थना की गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। अयोध्या में राममंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के अवसर पर यहां शंकराचार्य मंदिर समेत कश्मीर घाटी के कई मंदिरों में विशेष प्रार्थना का आयोजन किया गया।

अधिकारियों ने बताया कि अयोध्या में राममंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के सिलसिले में विशेष प्रार्थना में हिस्सा लेने के लिए अल्पसंख्यक हिंदू वर्ग से श्रद्धालु और पर्यटक यहां जबरवान पहाड़ी पर शंकराचार्य मंदिर पहुंचे। उन्होंने बताया कि प्रार्थना के बाद श्रद्धालुओं के लिए लंगर लगाया गया।

यहां अमीरकादल इलाके में झेलम नदी के तट पर हनुमान मंदिर में भी विशेष प्रार्थना हुई। अयोध्या में राममंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के मौके पर इस हनुमान मंदिर को सजाया गया था। प्राण प्रतिष्ठा समारोह की खुशी में अनंतनाग जिले के मट्टन में सूर्य मंदिर में हवन किया गया तथा श्रद्धालुओं ने कश्मीर में पूर्ण सामान्य स्थिति के लौटने की प्रार्थना की।

विशेष प्रार्थना के आयोजक ने कहा, हम बीती रात से ही यहां हवन कर रहे हैं और हम भगवान राम से प्रार्थना कर रहे हैं कि कश्मीर में विभिन्न समुदायों के बीच वैसा ही भाईचारा और सद्भाव रहे जो 1990 से पहले था।

यहां लालचौक इलाके में ऐतिहासिक घंटाघर पर आज शाम एक विशेष प्रार्थना के आयोजन का कार्यक्रम है। राममंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर समूचे कश्मीर में मंदिर हजारों दीयों से जगमगाएंगे।

कानून-व्यवस्था संकट के दौरान केवल मैं शंकरदेव के जन्मस्थल पर नहीं जा सकता: राहुल का सवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नगांव (असम)/भाषा। असम के नगांव में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को इस बात पर सवाल उठाया कि कानून-व्यवस्था संकट के दौरान सभी लोग वैष्णव संत श्रीमंत शंकरदेव के जन्मस्थान पर जा सकते हैं, लेकिन केवल 'वह नहीं जा सकते।

गांधी को सत्र (शंकरदेव के जन्मस्थान) जाते समय हैबरगांव में रोका गया था जहां उन्होंने वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं और समर्थकों के साथ धरना दिया जबकि पार्टी सांसद गौरव गोगोई और बटद्रवा विधायक शिवमोनी बोरा मुद्दे को सुलझाने के लिए जन्मस्थान की ओर बढ़े। उनके लौटने के बाद गांधी ने संवाददाताओं से कहा कि वह शंकरदेव के दर्शन में विश्वास करते हैं। उन्होंने कहा ''हम लोग, लोगों को एक साथ लाने विश्वास करते हैं, नफरत फैलाने में नहीं। उन्होंने कहा, वह (शंकरदेव) हमारे लिए एक गुरु की तरह हैं और हमारा मार्गदर्शन करते हैं। इसलिए जब मैं असम आया तो मैंने सोचा था कि मुझे उनके प्रति अपना आभार प्रकट करना चाहिए। गांधी ने कहा कि उन्हें 11 जनवरी को शंकरदेव के जन्मस्थान का दौरा करने का निमंत्रण मिला था लेकिन ''रविवार को हमें बताया गया कि वहां कानून-व्यवस्था का कुछ मसला है। उन्होंने कहा, इलाके में कानून-व्यवस्था की कुछ समस्या है और यह अजीब है कि गौरव गोगोई तथा सभी लोग वहां जा सकते हैं लेकिन केवल राहुल गांधी नहीं जा सकते। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता लेकिन कुछ कारण हो सकते हैं। मौका मिलने पर मैं बटद्रवा जाऊंगा। मेरा मानना है कि असम और पूरे देश को शंकरदेव द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलना चाहिए।

कार सेवक ने राममंदिर का सपना पूरा हो जाने पर 32 साल बाद पहनी चप्पल

मुंबई/भाषा। उत्तरी महाराष्ट्र में जलगांव के 60 वर्षीय विलास भवसार ने 1992 में शपथ ली थी कि जब तक अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण नहीं हो जाएगा तब तक वह जूता-चप्पल नहीं पहनेंगे।

सोमवार को अयोध्या में राममंदिर में राम लला मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा हो जाने के बाद भवसार ने 32 साल बाद आज पहली बार चप्पल पहनी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अयोध्या में इस प्राण प्रतिष्ठा समारोह की अगुवाई की।

महाराष्ट्र सरकार में मंत्री एवं भाजपा नेता गिरीश महाजन ने सोमवार को जलगांव जिले के जामनेर में एक कार्यक्रम में भवसार को एक जोड़ी चप्पल दी तथा भवसार ने वह चप्पल पहनी। जलगांव में पान की दुकान चलाने वाले भवसार ने कहा कि उन्हें खुशी है कि उनकी शपथ पूरी हो गई तथा हर रामभक्त का सपना साकार हो गया।

भवसार ने कहा कि 1992 में बाबरी मस्जिद विध्वंस के बाद उन्होंने तब तक जूते-चप्पल नहीं पहनने की कसम खाई थी जब तक अयोध्या में 'उसी स्थान पर' पर भव्य राममंदिर नहीं बन जाता।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा सभ्यतागत पुनरुत्थान का क्षण : मुख्यमंत्री सावंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पणजी/भाषा। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने सोमवार को कहा कि अयोध्या मंदिर में रामलला के नवीन विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा देश में सभ्यतागत पुनरुत्थान और पुनर्जागरण का क्षण है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में अयोध्या के राम मंदिर के गर्भगृह में सोमवार को रामलला के नवीन विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा संपन्न हुई और देश-विदेश में लाखों रामभक्त इसके साक्षी बने।

प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दौरान सेना के हेलीकॉप्टरों ने नवनिर्मित रामजन्मभूमि मंदिर पर पुष्प वर्षा की। सावंत ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि रामलला की प्राण प्रतिष्ठा आनंद और गौरव का क्षण है। उन्होंने कहा, यह देश में सभ्यतागत पुनरुत्थान, सभ्यतागत पुनर्जागरण का क्षण है। यह 'मंदिर वहीं बनाएंगे' वादे के पूरे होने का क्षण है। मुख्यमंत्री ने 'रामलला विराजमान' और 'राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा' हैशटैग के साथ अपने पोस्ट में कहा, इस अवसर पर मैं सभी कारसेवकों, और इस स्वप्न को साकार करने में योगदान देने वालों को याद करता हूं। मैं अपनी शुभकामनाएं देता हूं। जय श्री राम!'' सुबह में, सावंत उत्तर गोवा जिले में श्री रुद्रेश्वर मंदिर गए, जहां उन्होंने और उनकी पत्नी ने पूजा-अर्चना की।

मुख्यमंत्री उत्तर गोवा के बिचोलिम तालुका में अपने पैतृक गांव कोठाम्बी स्थित श्री देव चंद्रेश्वर मंदिर भी गए।

राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह राष्ट्रीय चेतना का पुनर्जागरण : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को अयोध्या स्थित राम मंदिर में 'श्री राम लला' के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को एक 'निर्णायक मोड़' तथा 'राष्ट्रीय चेतना का पुनर्जागरण' बताया।

अयोध्या में भगवान राम के बाल स्वरूप के विग्रह की 'प्राण प्रतिष्ठा' के मौके पर असम के विभिन्न हिस्सों में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। शर्मा ने यहां हरिजन कॉलोनी में प्राण प्रतिष्ठा समारोह देखा। विभिन्न स्थानों पर विशेष प्रार्थना आयोजित की गई तथा लोगों ने पटाखे छोड़े। अयोध्या से प्राण प्रतिष्ठा समारोह का सीधा प्रसारण किया गया।

शर्मा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, अपने भव्य मंदिर में दशरथनंदन राम की वापसी हमारी सभ्यता में एक निर्णायक मोड़ तथा राष्ट्रीय चेतना के पुनर्जागरण का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि आज आयोजित किए जा रहे विभिन्न कार्यक्रम 'एक हजार से अधिक भावी पीढ़ियों को सनातन धर्म का पूर्ण वैभव बनाए रखने की प्रेरणा देंगे। मुख्यमंत्री ने लिखा, माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक अहम धार्मिक एवं सांस्कृतिक जुड़ाव को पुनर्स्थापित करने में राष्ट्र की अगुवाई कर रहे हैं तथा इतिहास के इस 'स्वर्णिम युग' में मुझे अस्तित्व प्रदान करने के लिए मैं प्रभु श्रीराम का सदैव आभारी हूं। राज्य सरकार ने राज्य में इस मौके पर आधे दिन की छुट्टी की घोषणा की थी। सोमवार को सरकारी कार्यालय एवं संस्थान दो बजे तक बंद रहे। सरकारी विद्यालय, महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय आज पूरे दिन बंद हैं जबकि निजी शिक्षण संस्थानों से भी छुट्टी घोषित करने की अपील की गई थी। शर्मा ने रविवार को संवाददाता सम्मेलन में सभी धर्मों के लोगों से सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर विशेष प्रार्थना करने की अपील की थी। उन्होंने कहा कि सोमवार को शुष्क दिवस की भी घोषणा की गई है तथा मासांहार की ब्रिकी करने वाली दुकानें अपराह्न चार बजे तक बंद रहेंगी।

नासा के अंतरिक्ष यान ने भारत के चंद्रयान-3 के लैंडर का चंद्रमा की सतह पर पता लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के, चंद्रमा की कक्षा में चक्कर लगा रहे अंतरिक्ष यान ने भारत के चंद्रयान-3 मिशन के तहत भेजे गए विक्रम लैंडर की चंद्रमा पर स्थिति का सफलतापूर्वक पता लगा लिया है। अमेरिकी एजेंसी ने यह जानकारी दी।

नासा ने बताया कि लेजर रोशनी को लूनर रेकॉनिसेंस ऑर्बिटर (एलआरओ) और विक्रम लैंडर पर एक छोटे रेट्रोरिफ्लेक्टर के बीच प्रसारित और परावर्तित किया गया, जिससे चंद्रमा की सतह पर लक्ष्य का सटीकता के साथ पता लगाने की एक नई शैली का तरीका मिल गया। लैंडर चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र में

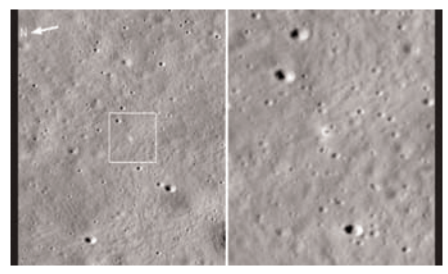

मंज़िनस क्रेटर के पास एलआरओ से 100 किलोमीटर दूर था, जब एलआरओ ने पिछले साल 12 दिसंबर को इसकी ओर लेजर तरंगें भेजीं। ऑर्बिटर ने विक्रम पर लगे एक छोटे रेट्रोरिफ्लेक्टर से वापस लौटकर आई रोशनी दर्ज की जिसके बाद नासा के वैज्ञानिकों को पता चला कि उनकी तकनीक काम कर गई है।

उच्चतम न्यायालय ने ठाकरे गुट की याचिका पर शिंदे, विधायकों से मांगा जवाब

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने उद्धव ठाकरे गुट की एक याचिका पर सोमवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और कुछ अन्य विधायकों से जवाब मांगा। याचिका में विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर के उस आदेश को चुनौती दी गई है जिसमें जून 2022 में विभाजन के बाद शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुट को 'असली शिवसेना' घोषित किया गया था। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने ठाकरे गुट की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और अभिषेक सिंघवी की दलीलों पर गौर किया तथा मुख्यमंत्री और अन्य विधायकों से दो सप्ताह में जवाब मांगा। शुरुआत में, शीर्ष अदालत ने कहा कि याचिका पर बंबई उच्च न्यायालय भी सुनवाई कर सकता है।

'भाजपा ने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह को राजनीतिक रंग दे दिया है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। वरिष्ठ कांग्रेस नेता कमलनाथ ने सोमवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अयोध्या में नए राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह को राजनीतिक रंग दे दिया है, जो ''दुर्भाग्यपूर्ण एवं दुखद'' है। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने अपने आधिकारिक 'एक्स' अकाउंट पर हालांकि एक पोस्ट में सोमवार को उत्तर प्रदेश के अयोध्या में एक भव्य मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर लोगों को बधाई दी।

इस भव्य कार्यक्रम की अगुवाई प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने की और देशभर में लाखों लोगों ने अपने घरों एवं मंदिरों में यह कार्यक्रम देखा। कमलनाथ ने कहा कि उच्चतम न्यायालय के आदेश पर अयोध्या में भगवान राम के मंदिर का निर्माण किया गया है। उन्होंने कहा कि चूंकि केंद्र और उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकारें हैं, ऐसे में उच्चतम न्यायालय के आदेश का पालन करना उनकी जिम्मेदारी थी। पूर्व केंद्रीय मंत्री कमलनाथ ने कहा, जिस तरह भाजपा ने इस कार्यक्रम को राजनीतिक रंग दे दिया है और राजनीतिक मंच पर धर्म को लाने की कोशिश की, वह दुर्भाग्यपूर्ण एवं दुखद है। भगवान राम हमेशा से हम सभी के आस्था के केंद्र रहे हैं और हमेशा रहेंगे। इस पर राजनीति धार्मिक स्वतंत्रता एवं परंपराओं के साथ खेलने जैसा है। उन्होंने यह भी दावा किया कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को असम में उनकी 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के दौरान एक मंदिर में जाने से रोका गया।

जो रीति-नीति-मर्यादा का मान करता है, उसके हृदय में बसते हैं सियाराम : अखिलेश यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। अयोध्या में सोमवार को होने जा रहे प्रभु श्री रामलला के नूतन विग्रह के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के बीच समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि सियाराम उस पावन हृदय में बसते हैं, जो रीति-नीति-मर्यादा का मान करता है।

सपा प्रमुख यादव ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने संदेश में कहा, उस पावन हृदय में बसते हैं 'सियाराम, जो करता रीति-नीति-मर्यादा का मान। इसी पोस्ट में यादव ने एक वीडियो भी साझा किया जिसमें जय श्री राम के नारों से गूंजती, भगवान राम की झांकी है। यादव द्वारा साझा किए गए छोटे एनिमेटेड वीडियो में राम, लक्ष्मण और सीता के साथ अयोध्या पहुंचते हुए दिखाई दे रहे हैं। बाद में यादव ने समाजवादी नेता जनेश्वर मिश्र की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि देने के बाद अयोध्या में 'प्राण प्रतिष्ठा' समारोह के बारे में पत्रकारों से कहा, प्राण प्रतिष्ठा के बाद पत्थर की मूर्ति भगवान बन जाएगी।

सपा प्रमुख ने कहा कि 'भगवान राम को मर्यादा पुरुषोत्तम राम भी कहा जाता है, और हमें उनके दिखाए रास्ते पर चलना चाहिए। उन्होंने कहा, जो लोग भगवान राम द्वारा दिखाई गई रीति, नीति और मर्यादा का पालन करते हैं, वे उनके सच्चे भक्त हैं। राम राज्य के बारे में पूछे जाने पर यादव ने कहा, रामराज तब होता है जब गरीब दुखी नहीं होते, युवा खुश होते हैं और हर कोई खुश रहता है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के एक स्थानीय मंदिर में जाने से रोके जाने के बाद असम के नगांव में धरने पर बैठने के मामले पर यादव ने कहा, जहां सम्मान न मिले वहां नहीं जाना चाहिए। अखिलेश यादव ने 13 जनवरी को 'एक्स' पर चंपत राय को लिखा एक पत्र साझा करते हुए कहा था कि वह अयोध्या में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद सपरिवार दर्शनार्थी बनकर अवश्य जाएंगे।

बजट में कृषि-कर्ज लक्ष्य को बढ़ाकर 22-25 लाख करोड़ रुपए किए जाने की संभावना

नई दिल्ली/भाषा। सरकार आगामी अंतरिम बजट में अगले वित्त वर्ष के लिए कृषि कर्ज लक्ष्य को 22-25 लाख करोड़ रुपए तक बढ़ाने की घोषणा कर सकती है। साथ ही यह सुनिश्चित करेगी कि प्रत्येक पात्र किसान की संस्थागत ऋण तक पहुंच हो। सूत्रों ने यह जानकारी दी। चालू वित्त वर्ष के लिए सरकार का कृषि-ऋण लक्ष्य 20 लाख करोड़ रुपए है। वर्तमान में, सरकार सभी वित्तीय संस्थानों के लिए तीन लाख रुपए तक के अल्पकालिक कृषि ऋण पर दो प्रतिशत की ब्याज छूट प्रदान करती है। इसका मतलब है कि किसानों को प्रति वर्ष सात प्रतिशत की रियायती दर पर तीन लाख रुपए तक का कृषि ऋण मिल रहा है।

समय पर भुगतान करने वाले किसानों को प्रति वर्ष तीन प्रतिशत की अतिरिक्त ब्याज छूट भी प्रदान की जा रही है। किसान दीर्घकालिक ऋण भी ले सकते हैं लेकिन ब्याज दर बाजार दर के अनुसार होती है।

सूत्रों ने कहा कि वित्तवर्ष 2024-25 के लिए कृषि-ऋण लक्ष्य बढ़कर 22-25 लाख करोड़ रुपए हो सकता है। कृषि-ऋण पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है और सरकार छूटे हुए पात्र किसानों की पहचान करने और उन्हें ऋण नेटवर्क में लाने के लिए कई अभियान चला रही है। सूत्रों ने कहा कि कृषि मंत्रालय ने एक केंद्रित दृष्टिकोण के तहत 'क्रेडिट' पर (ऋण के लिए) एक अलग प्रभाग भी बनाया है। इसके अलावा, सूत्रों ने यह भी कहा कि पिछले 10 वर्षों में विभिन्न कृषि और संबद्ध गतिविधियों के लिए ऋण वितरण लक्ष्य से अधिक रहा है।

अजित पवार को मराठा आरक्षण पर महाराष्ट्र सरकार से सवाल करना चाहिए: जरांगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने सोमवार को कहा कि मराठा समुदाय को आरक्षण देने में हो रही देरी को लेकर उपमुख्यमंत्री अजित पवार को महाराष्ट्र सरकार से सवाल पूछना चाहिए लेकिन वह (पवार) आरक्षण के मुद्दे के खिलाफ बोल रहे हैं। जरांगे राज्य की राजधानी मुंबई की ओर अपने मार्च के तीसरे दिन अहमदनगर जिले के एक गांव में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। मुंबई तक के अपने मार्च के तहत जरांगे अपने हजारों समर्थकों के साथ 20 जनवरी को जालना जिले के अंतरवाली सराटी गांव से निकले थे। उनकी योजना मुंबई में तब तक आमरण अनशन करने की है जब तक सरकार मराठा समुदाय को आरक्षण प्रदान करने के लिए आदेश जारी नहीं कर देती।

वह मांग कर रहे हैं कि राज्य में मराठों को कुनबी जाति का प्रमाणपत्र दिया जाए, ताकि समुदाय अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) श्रेणी के तहत सरकारी नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण का लाभ उठा सके। जरांगे ने कहा, अजित पवार को मराठा आरक्षण मुद्दे पर राज्य सरकार को घेरना चाहिए था। उन्हें पूछना चाहिए था कि आरक्षण देने में देरी क्यों हुई? लेकिन इसके बजाय, वह इस मुद्दे के खिलाफ बोल रहे हैं। अजित पवार ने पिछले साल जुलाई में अपने चाचा और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के संस्थापक शरद पवार के खिलाफ बगावत कर दी थी और राज्य में एकनाथ शिंदे-भाजपा सरकार में शामिल हो गए थे। जरांगे ने कहा कि अगर राज्य सरकार ने उनकी रैलियों के खिलाफ बल प्रयोग करने की कोशिश की तो इसके गंभीर परिणाम होंगे।

कार्यकर्ता ने कहा, इस आंदोलन को अब दबाया नहीं किया जा सकता है। अपनी मांगों के लिए रैलियां निकालना और मार्च करना लोकतंत्र के दायरे में आता है। मैंने मुंबई में धरना-प्रदर्शन की इजाजत भी मांगी है। जरांगे ने यह भी कहा कि वह राज्य सरकार के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत और चर्चा करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को मराठा समुदाय के मुद्दों को समझना चाहिए। वह सोमवार को पुणे जिले के सुपा शहर पहुंच सकते हैं जहां वह रात्रि विश्राम करेंगे। अंतरवाली सराटी और मुंबई के बीच की दूरी 400 किलोमीटर से ज्यादा है। जरांगे 26 जनवरी से आरक्षण के मुद्दे पर अपनी भूख हड़ताल शुरू करने वाले हैं।

सोनी ने जी एंटरटेनमेंट के साथ 10 अरब के विलय समझौते को किया समाप्त

नई दिल्ली/भाषा। सोनी ग्रुप कॉरपोरेशन ने जी एंटरटेनमेंट के साथ 10 अरब अमेरिकी डॉलर के विलय समझौते को समाप्त कर दिया है। विलय की गई इकाई का नेतृत्व कौन करेगा, इस बात पर गतिरोध के कारण यह फैसला किया गया। समूह ने इस समझौते को समाप्त करने के लिए जी को एक नोटिस भेजा और विलय समझौते की शर्तों का उल्लंघन करने के लिए समाप्ति शुल्क के रूप में नौ करोड़ अमेरिकी डॉलर की मांग की। जी ने इस संबंध में शेयर बाजार को दी जानकारी में सोनी के सभी दावों का खंडन किया और कहा कि वह कानूनी मदद लेगा। कंपनी ने कहा, जी ने कई स्थाई तथा अपरिवर्तनीय कदम उठाकर विलय के प्रति अत्यधिक प्रतिबद्धता दिखाई है, जिसके परिणामस्वरूप जी को एकमुश्त तथा बार-बार आने वाली लागत का सामना करना पड़ा। समझौते को समाप्त किए जाने की वजह नेतृत्व को लेकर गतिरोध बताई जा रही है।

एयर इंडिया ने चौड़े आकार वाले ए350 विमान का वाणिज्यिक परिचालन शुरू किया

मुंबई/भाषा। निजी एयरलाइंस एयर इंडिया ने सोमवार को अपने पहले चौड़े आकार वाले ए350 विमान का वाणिज्यिक परिचालन शुरू किया। इस विमान ने मुंबई हवाई अड्डे से चेन्नई के लिए उड़ान भरी।

कुल 316 सीटों वाले ए350-900 विमान में तीन श्रेणी के केबिन हैं। इनमें फुल-फ्लैट बेड वाले 28 निजी बिजनेस सुइट, 24 प्रीमियम इकोनॉमी और 264 इकोनॉमी सीट हैं। एयरलाइन ने एक बयान में कहा, एयर इंडिया की उड़ान एआई-589 ने सोमवार को

यात्रियों की पूरी क्षमता के साथ मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से चेन्नई के लिए उड़ान भरी। चालक दल के इससे परिचित होने और नियामक अनुपालन के लिए विमान शुरू में घरेलू मार्गों – बेंगलूरु, चेन्नई, दिल्ली, हैदराबाद और मुंबई – पर उड़ान भरेगा। एयरलाइन ने कहा कि बाद में इसे लंबी दूरी की अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए तैनात किया जाएगा।

तमिलनाडु सरकार ने मद्रास हाईकोर्ट से कहा, आज भजन के लिए अनुमति की आवश्यकता नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने सोमवार को मद्रास उच्च न्यायालय को सूचित किया कि निजी मंदिरों, मंडपों या ऐसे अन्य स्थानों पर भजन बजाने, 'अन्नधनम' पेश करने या 'प्राण प्रतिष्ठा' कार्यक्रम की लाइव स्ट्रीम करने के लिए उसकी अनुमति की आवश्यकता नहीं है।

यह बात तमिलनाडु सरकार के अतिरिक्त लोक अभियोजक (एपीपी) ए दामोदरन ने मद्रास उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति आनंद वेंकटेश के समक्ष कही।

अदालत ने विवेका हिंदू मूवमेंट, थिरुनिनरावुर, चेन्नई के अध्यक्ष एल. गणपति द्वारा दायर एक रिट याचिका पर सोमवार सुबह लगभग 9.30 बजे एक विशेष बैठक आयोजित की थी। याचिकाकर्ता 21 जनवरी 2024 को अवाडी के सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) द्वारा पट्टाभिराम में एक निजी विवाह हॉल में भजन और 'अन्नधनम' की अनुमति को अस्वीकार करने के आदेश को चुनौती दे रहा था। याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ वकील एस. रवि और जी. कार्तिकेयन ने मामले पर बहस की।

एपीपी ने अदालत को सूचित किया कि आयोजकों को कार्यक्रम के बारे में पुलिस को सूचित करने की आवश्यकता है ताकि बल जरूरत पड़ने पर भीड़ नियंत्रण के लिए पर्याप्त उपाय कर सके।

सरकारी वकील ने कोर्ट को यह भी बताया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस केवल संवेदनशील जगहों पर ही प्रतिबंध लगाएगी। हालांकि एपीपी ने अदालत को बताया कि उसके नियंत्रण में आने वाले मंदिरों के लिए हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती (एचआर एंड सीई) विभाग की अनुमति लेनी होगी। राज्य सरकार के रुख के आधार पर अदालत ने कहा, राज्य सरकार और पुलिस द्वारा उठाए गए उपरोक्त रुख से यह बिल्कुल स्पष्ट हो जाता है कि शुभ अवसर को ध्यान में रखते हुए समारोह आयोजित करना, भजन गाना, राम नाम का उच्चारण करना, अन्नधनम की पेशकश करना अपने-आप में निषिद्ध या प्रतिबंधित नहीं हैं।''

न्यायमूर्ति आनंद वेंकटेश ने कहा कि सभी उत्सव और अन्नधनम पवित्र और धार्मिक तरीके से किए जाने चाहिए।

उन्होंने कहा, यह ध्यान में रखना होगा कि यह सब आज बिना किसी कानून-व्यवस्था की समस्या पैदा किए जिम्मेदारीपूर्ण और पवित्र तरीके से किया जाएगा।

किसी भी गलत सूचना या गलत जानकारी को फैलने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए और इसे सभी संबंधित पक्षों द्वारा ध्यान में रखा जाएगा। अंततः, संबंधित सभी लोगों को यह ध्यान रखना चाहिए कि ईश्वर के प्रति भक्ति केवल शांति और खुशी के लिए है, न कि समाज में व्याप्त संतुलन को बिगाड़ने के लिए।

न्यायाधीश ने कहा, ''राज्य सरकार और पुलिस द्वारा उठाए गए उपरोक्त रुख से यह बिल्कुल स्पष्ट हो जाता है कि इस अवसर को ध्यान में रखते हुए समारोह आयोजित करना, भजन गाना/राम नाम का उच्चारण करना, (अन्नदानम का आयोजन) करना अपने आप में निषिद्ध या प्रतिबंधित नहीं है। इनका आयोजन इस बात को ध्यान में रखते हुए किया जाए कि यह सब आज कानून-व्यवस्था की समस्या पैदा किए बिना जिम्मेदारीपूर्ण तरीके से होगा।''

अदालत ने याचिका का निपटार करते हुए कहा, ''किसी भी गलत सूचना की या गलत सूचना के प्रसार की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। सभी संबंधित पक्षों को यह ध्यान में रखना चाहिए कि भगवान के प्रति भक्ति केवल शांति और खुशी के लिए है, न कि समाज में संतुलन को बिगाड़ने के लिए।''

'अयोध्या से सीधे प्रसारण पर रोक' : सर्वोच्च न्यायालय ने कहा, कानून के अनुरूप काम करे तमिलनाडु सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने तमिलनाडु के प्राधिकारियों से सोमवार को राज्य के सभी मंदिरों में अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के 'सीधे प्रसारण पर रोक'' लगाने के किसी भी मौखिक दिशा निर्देश के आधार पर नहीं बल्कि कानून के अनुसार काम करने को कहा। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के तमिलनाडु के मंदिरों में सीधे प्रसारण पर रोक लगाने के 20 जनवरी के एक मौखिक आदेश'' को रद्द करने का अनुरोध करने वाली याचिका पर सुनवाई की और कहा कि कोई भी मौखिक आदेश का पालन करने के लिए बाध्य नहीं है।

पीठ ने तमिलनाडु की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता अमित आनंद तिवारी का यह बयान दर्ज किया कि मंदिरों में 'पूजा-अर्चना' या अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह पर कोई पाबंदी नहीं है। उन्होंने कहा कि यह याचिका ''राजनीति से प्रेरित'' है।

पीठ ने प्राधिकारियों से उन वजहों को रिकॉर्ड में रखने और उन आवेदनों का डेटा बनाए रखने को कहा है जिन्हें मंदिरों में 'पूजा अर्चना' और प्राण प्रतिष्ठा समारोह के सीधे प्रसारण के लिए स्वीकृति दी गयी है।

साथ ही जिन्हें अनुमति नहीं दी गयी है, उन्हें भी रिकॉर्ड में रखने को कहा है।

पीठ ने याचिका पर तमिलनाडु सरकार से भी 29 जनवरी तक जवाब देने को कहा है। यह याचिका विनोज नामक व्यक्ति ने दायर की है जिसमें उन्होंने कहा है कि तमिलनाडु में द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार ने राज्य के सभी मंदिरों में अयोध्या में 'प्राण प्रतिष्ठा' समारोह के सीधे प्रसारण पर रोक लगा दी है।

यह भी आरोप लगाया जा रहा है कि सरकार ने इस अवसर पर सभी प्रकार की पूजा और 'अन्नदानम' तथा 'भजनों' पर रोक लगा दी है।

बहरहाल, तमिलनाडु के हिंदू धर्म और धर्मार्थ धर्मादा मंत्री पी के शेखर बाबू ने रविवार को कहा था कि श्रीराम की पूजा करने पर ऐसा कोई प्रतिबंध नहीं लगाया गया है।

उन्होंने साथ ही कहा कि अन्नदानम और प्रसादम वितरित करने पर भी कोई प्रतिबंध नहीं है। उन्होंने इन दावों को फर्जी बताया।

निर्मला सीतारमण ने पुलिस के दुरुपयोग का, तो राज्यपाल ने 'दमन' का लगाया आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन. रवि ने सोमवार को आरोप लगाया कि पूरा देश अयोध्या में राम लला के 'प्राण प्रतिष्ठा' समारोह का जश्न मना रहा है जबकि यहां राज्य सरकार के नियंत्रण में एक श्रीराम मंदिर के पुजारियों और कर्मचारियों को 'दमन' का सामना करना पड़ रहा है।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से कांचीपुरम में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह की सार्वजनिक स्क्रीनिंग और समारोह को रोकने के लिए 'हिंदुओं से नफरत करने वाली' द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार तमिलनाडु पुलिस का 'दुरुपयोग' कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि द्रमुक सरकार प्रधानमंत्री के प्रति 'अपनी व्यक्तिगत नफरत स्पष्ट रूप से दिखा रही है' और 'भक्तों का दमन' कर रही है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने द्रमुक सरकार पर प्राण प्रतिष्ठा संबंधी समारोहों के सार्वजनिक प्रसारण पर 'प्रतिबंध' लगाने का आरोप लगाया है। इसकी पृष्ठभूमि में रवि ने यहां एक मंदिर की अपनी यात्रा का जिक्र करते हुए भाजपा के आरोप का समर्थन किया।

राज्यपाल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, ''आज (सोमवार) सुबह मैंने चेन्नई के पश्चिम माम्बलम में स्थित श्री कोडंडारामस्वामी मंदिर में दर्शन किये और जन कल्याण के लिए प्रभु श्री राम से प्रार्थना की। यह मंदिर राज्य सरकार के हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग के अधीन है।''

उन्होंने आरोप लगाया, ''पुजारियों और मंदिर के कर्मचारियों के चेहरे पर भय और आशंकाओं के भाव स्पष्ट रूप से देखे जा सकते थे। देश के बाकी हिस्सों में जिस तरह का माहौल है, यह उससे ठीक विपरीत है। पूरे देश में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के जश्न का माहौल है जबकि मंदिर परिसर में दमन की भावना झलक रही थी।''

हालांकि तमिलनाडु सरकार ने अयोध्या स्थित नवनिर्मित मंदिर में भगवान राम के बाल स्वरूप के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में राज्य के मंदिरों में समारोह आयोजित करने की अनुमति देने से इनकार करने के भाजपा के आरोपों को खारिज कर दिया।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पूछा, ''क्या किसी नागरिक को प्रधानमंत्री को देखने से वंचित किया जा सकता है? किस अधिकार से द्रमुक ने मेरे पूजा करने के अधिकार का उल्लंघन किया? मैं द्रमुक सरकार को चुनौती देती हूं कि एक हिंदू को पूजा करने से रोकना और अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह को देखने से रोकना अधिकारों का उल्लंघन है।''

तूतीकोरिन अल्कली केमिकल्स ने तमिलनाडु संयंत्र में परिचालन फिर से शुरू किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तूतीकोरिन अल्कली केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड ने तमिलनाडु स्थित अपने कारखाने में परिचालन फिर से शुरू कर दिया है। इसे दिसंबर 2023 में विनाशकारी बारिश के बाद बंद कर दिया गया था।

कंपनी सोडा ऐश और अमोनियम क्लोराइड उर्वरक का उत्पादन करती है। दिसंबर 2023 में देश के दक्षिणी हिस्सों में हुई भारी बारिश के कारण तूतीकोरिन संयंत्र में काम बंद करना पड़ा था।

कंपनी ने सोमवार को शेयर बाजारों को बताया, ''कारखाने में सामान्य स्थिति बहाल हो गई है और 21 जनवरी, रविवार दोपहर से संयंत्र में परिचालन सुचारू रूप से शुरू कर दिया गया है।''

वर्ष 1981 में स्थापित तूतीकोरिन संयंत्र दक्षिण भारत में सोडा ऐश का उत्पादक करने वाली एक मात्र इकाई है। कंपनी पर्यावरण के अनुकूल दोहरी प्रक्रिया को अपनाते हुए कारखाने में अमोनियम क्लोराइड उर्वरक का सह-उत्पादन करती है।

अदालत ने वी. सेंथिल बालाजी की न्यायिक हिरासत बढ़ाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई की एक अदालत ने धनशोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा गिरफ्तार वी. सेंथिल बालाजी की न्यायिक हिरासत सोमवार को 29 जनवरी तक बढ़ा दी।

अभियोजन पक्ष ने तमिलनाडु के मंत्री एवं द्रमुक नेता को यहां केंद्रीय कारागार से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से प्रधान सत्र न्यायाधीश एस अल्ली की अदालत के समक्ष पेश किया गया।

इस बीच, बालाजी ने मद्रास उच्च न्यायालय के समक्ष याचिका दायर कर जमानत का अनुरोध किया है। निचली अदालत में तीन बार और उच्च न्यायालय में एक बार सेंथिल की जमानत याचिका खारिज हो चुकी है।

मंत्री ने उच्च न्यायालय का रुख किया

बालाजी ने मद्रास उच्च न्यायालय के समक्ष याचिका दायर कर जमानत का अनुरोध किया है। निचली अदालत में तीन बार और उच्च न्यायालय में एक बार याचिका हो चुकी है खारिज

ग्यारह जनवरी को प्रधान सत्र न्यायाधीश ने बालाजी के खिलाफ आरोप तय करने के लिए मामले को सोमवार के लिए सूचीबद्ध किया था। जब मामला सोमवार को सुनवाई के लिए आया, तो सेंथिल बालाजी की ओर से पेश वरिष्ठ वकील एस. प्रभाकरन ने अदालत को सूचित किया कि मंत्री ने कुछ कानूनी मुद्दों को उठाते हुए एक याचिका दायर की है। इसलिए, कथित अपराधों से जुड़े मामले के निपटारे तक यह अदालत बालाजी के खिलाफ आरोप तय नहीं कर सकती। विशेष लोक अभियोजक एन. रमेश द्वारा जवाबी हलफनामा दाखिल करने के लिए समय मांगने के बाद न्यायाधीश ने मामले की अगली सुनवाई 29 जनवरी तय की।

Karur Vysya Bank
Smart way to bank

करूर वैश्य बैंक का शुद्ध लाभ दिसंबर तिमाही में 42.56 प्रतिशत बढ़कर 412 करोड़ रुपये

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। निजी क्षेत्र के करूर वैश्य बैंक का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 42.56 प्रतिशत बढ़कर 412 करोड़ रुपये रहा। तमिलनाडु के बैंक ने सोमवार को एक बयान में कहा कि बैंक ने पिछले वर्ष की इसी तिमाही के दौरान 289 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा अर्जित किया था।

बैंक का 31 दिसंबर, 2023 को समाप्त नौ महीने की अवधि के लिए शुद्ध मुनाफा 49.61 प्रतिशत बढ़कर 1,149 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान 768 करोड़ रुपये था। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान कुल आय पिछले वर्ष की समान अवधि के 2,012.71 करोड़ रुपये से बढ़कर दिसंबर तिमाही में 2,497.17 करोड़ रुपये रही।

बैंक ने कहा कि सकल गैर निष्पादित संपत्ति (जीएनपीए) 31 दिसंबर, 2023 तक 1.12 प्रतिशत सुधर कर सकल कर्ज का 1.58 प्रतिशत रही जो एक साल पहले इसी तिमाही में 2.70 प्रतिशत थी। रुपये में यह दिसंबर 2023 को समाप्त तिमाही में 1,152 करोड़ रुपये रही जो जो 31 दिसंबर 2022 को 1,674 करोड़ रुपये थी। तिमाही के दौरान शुद्ध एनपीए 31 दिसंबर, 2023 को शुद्ध अग्रिम का 0.42 प्रतिशत यानी 305 करोड़ रुपये था, जबकि 31 दिसंबर, 2022 को 0.90 प्रतिशत यानी 550 करोड़ रुपये था।

प्राण प्रतिष्ठा को लेकर कर्नाटक में उत्साह, मंदिरों में उमड़ी भीड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। श्री राम के सबसे बड़े भक्त माने जाने वाले भगवान हनुमान के जन्मस्थान के रूप में अपना दावा करने वाला कर्नाटक सोमवार को अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए तैयार है। आईटी हब बेंगलूरु सहित राज्य भर के शहर, कस्बे और गांव भक्तों, हिंदू कार्यकर्ताओं और भाजपा नेताओं के झंडे, पोस्टर और बैनर लगाने से भगवा रंग में रंग गए हैं। सभी जगह उत्साह का माहौल है। बाइक एवं स्कूटरों पर भगवा झंडा लगाकर सभी घूम रहे हैं।

भले ही मुख्यमंत्री सिद्दरामैया के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार ने छुट्टी की घोषणा नहीं की है, लेकिन उत्साह और उन्माद पूरे राज्य में देखा जा सकता है। राम मंदिर के उद्घाटन के दौरान सभी मंदिरों को सजाया गया है और विशेष 'पूजा' की गई है। श्रद्धालु बड़ी संख्या में मंदिरों में पहुंचें और राम भजनों और राम सहस्त्रनाम पाठ कार्यक्रमों में भाग लिया। शाम में मंदिरों में दीपोत्सव का आयोजन किया गया।

मुख्यमंत्री सिद्दरामैया सोमवार को बेंगलूरु के बाहरी इलाके हिरंदाहल्ली में एक ही चट्टान से बनाई गई सीता, राम, लक्ष्मण और अंजनेय स्वामी (भगवान हनुमान) की 33 फीट ऊंची प्रतिमा का उद्घाटन कर रहे हैं। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर, परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी, राजस्व मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा, भाजपा विधायक मंजुला अरविंद लिमाबावली और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी, जो अपने पिता पूर्व प्रधानमंत्री और जद (एस) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एच.डी. देवेगौड़ा, मां चेन्नम्मा और बेटे निखिल कुमारस्वामी के साथ अयोध्या पहुंचे हैं, ने भारतीयों के सदियों पुराने सपने के पूरा होने पर खुशी जाहिर की है।

उन्होंने कहा, 150 करोड़ भारतीयों का सदियों पुराना सपना हकीकत में बदल गया है। असंख्य कारसेवकों का संघर्ष, त्याग और शहादत रंग लाई है। पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आज श्री बलराम भगवान की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम हो रहा है।

मुझे पवित्र क्षण का गवाह बनने और भगवान श्री राम की पूजा करने का अवसर मिला। मैं इस समय सभी कार सेवकों को याद करता हूं और श्री राम के सभी भक्तों को शुभकामनाएं देता हूं। भगवान राम सभी को शांति, खुशी, शालीनता और समृद्धि का आशीर्वाद दें।

विपक्ष के नेता (एलओपी) आर. अशोक बेंगलूरु में विभिन्न मंदिरों का दौरा करेंगे। बेंगलूरु दक्षिण के सांसद तेजस्वी सूर्या और पूर्व मंत्री वी. सोमन्ना उनके साथ होंगे। अशोक ने भक्तों से यह भी अपील की है कि अगर उन्हें कोई कठिनाई हो तो वे उनके कार्यालय से संपर्क करें।

उन्होंने कहा, यह मेरे संज्ञान में आया है कि पुलिस और अधिकारी राम मंदिर उद्घाटन के जश्न में बाधा डाल रहे हैं। अगर हिंदुओं और राम भक्तों के उत्सव में किसी भी तरह से खलल डाला गया तो हम बर्दाश्त नहीं करेंगे। राम मंदिर का उद्घाटन एक उत्सव है; यदि इस शुभ दिन पर भी हिंदू विरोधी नीति जारी रही तो परिणाम और भी कठोर होंगे। यह कांग्रेस सरकार को मेरी चेतावनी है।'

मैं खुद को सबसे भाग्यशाली मानता हूं, भगवान राम ने मुझे इस कार्य के लिए चुना : मूर्तिकार योगीराज

मैसूरु/अयोध्या। अयोध्या में नवनिर्मित मंदिर में स्थापित रामलला' की मूर्ति को बनाने वाले मैसूरु के मूर्तिकार अरुण योगीराज ने सोमवार को कहा कि वह खुद को पृथ्वी पर सबसे भाग्यशाली व्यक्ति मानते हैं और मानते हैं कि भगवान राम ने उन्हें इस कार्य के लिए चुना। अपने उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रशंसा पाने वाले योगीराज ने पीटीआई-भाषा' से कहा, मैंने हमेशा महसूस किया है कि भगवान राम मुझे और मेरे परिवार को हर बुरे समय से बचाते रहे हैं तथा मेरा दृढ़ विश्वास है कि यह वही हैं, जिन्होंने मुझे इस शुभ कार्य के लिए चुना।

पांचवीं पीढ़ी के मूर्तिकार योगीराज प्राण प्रतिष्ठा समारोह में आमंत्रित लोगों में शामिल थे। मूर्तिकार ने कहा, मैंने कई रात जागकर मूर्ति पर बारीकी से काम किया क्योंकि ऐसा आवश्यक था। मुझे लगता है कि मैं पृथ्वी पर

सबसे भाग्यशाली व्यक्ति हूं और आज मेरे जीवन का सबसे अच्छा दिन है। मैंने मूर्ति बनाने की कला पिता से सीखी। आज मेरी मूर्ति को यहां देखकर उन्हें गर्व होता।'' इस ऐतिहासिक घटना को व्यक्तिगत रूप से देखना योगीराज के लिए गर्व का क्षण था, लेकिन मैसूरु में उनके परिवार ने इस समारोह को टीवी पर देखा। उनकी पत्नी विजेता ने पिछले हफ्ते कहा था, उन्होंने (योगीराज) कई रात जागकर रामलला की मूर्ति बनाने पर ध्यान केंद्रित किया।

राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा

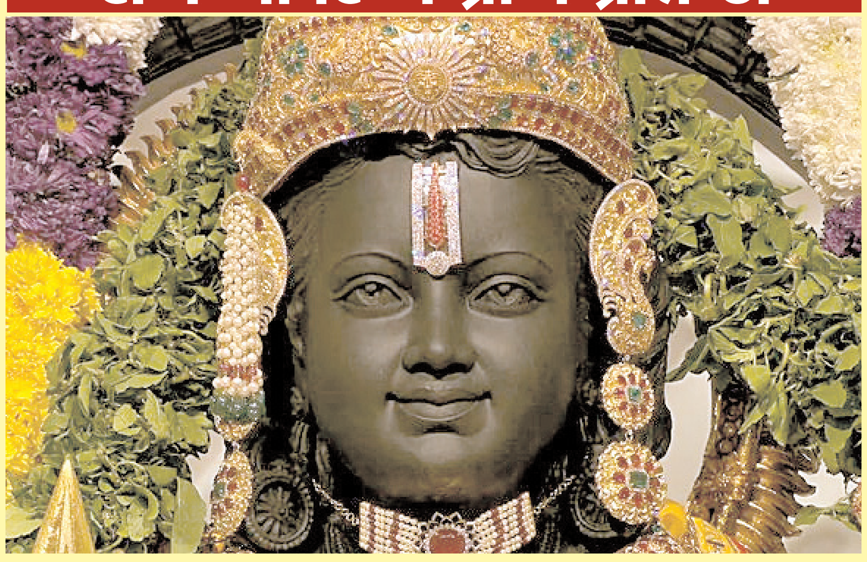

राजस्थान में त्योहार जैसा माहौल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। अयोध्या स्थित राम मंदिर में 'रामलला' के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर राजस्थान में सोमवार को त्योहार जैसा माहौल देखा गया। राज्य के सभी प्रमुख मंदिरों में सजावट के साथ ही विशेष भजन कीर्तन हुए तो लोग एक दूसरे को शुभकामनाएं देते नजर आए। अयोध्या में भगवान राम के बाल स्वरूप के विग्रह की 'प्राण प्रतिष्ठा' सोमवार को की गई। इसके मद्देनजर राजस्थान भर में धार्मिक आयोजन किए गए। मंदिरों में भजन–कीर्तन और रामायण तथा सुंदरकांड का पाठ किया गया। जयपुर समेत कई शहरों में रामधुनी के साथ प्रभात फेरियां निकाली गईं।अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा श्योपुर–प्रतापनगर रोड स्थित देहलावास बालाजी मंदिर पहुंचे और पूजा–अर्चना की। वह बाद में प्रताप नगर में प्रेम मंदिर गए और उन्होंने वहां भी पूजा–अर्चना की। मंत्रियों और विधायकों ने विभिन्न मंदिरों में दर्शन किये। अधिकारियों के मुताबिक, शर्मा का आज चूरू में सालासर बालाजी मंदिर और सीकर में खाटू श्याम जी मंदिर जाने का भी कार्यक्रम है। राजधानी जयपुर सहित विभिन्न स्थानों पर जुलूस निकाले गए।

जैसलमेर में बीएसएफ के जवानों ने तनोट माता मंदिर में रामायण का पाठ किया। भारत–पाकिस्तान सीमा पर स्थित इस मंदिर में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों द्वारा पूजा–अर्चना की जाती है। वहीं, लोगों ने अपने घरों को रंग बिरंगी लाइटों से सजाया और झंडें लगाए। भगवान राम और राम मंदिर की छवि वाले भगवा रंग के झंडे घरों और दुकानों के ऊपर लहराते दिखाई दिए। अनेक लोगों ने अपने वाहनों पर भी ये ध्वजाएं लगाए।

इन झंडों की बहुत मांग थी और ये ध्वज न केवल किराना और सामान्य वस्तुओं की दुकानों पर, बल्कि सड़क किनारे भी बिक रहे थे। टोंक रोड पर किराने की दुकान के मालिक संजय गुप्ता ने बताया, पिछले दो दिनों में लोगों ने सभी आकार के झंडे खरीदे। मांग अधिक थी और लोगों ने कई झंडे खरीदे। झंडों के साथ ही पटाखे की भी बिक्री हुई। उन्होंने कहा कि इसी तरह दिपावली जैसा जश्न मनाने के लिए लोगों ने कंदीलें भी खरीदीं। जयपुर के अल्बर्ट हॉल में राम मंदिर की 35 फुट ऊंची झांकी बंगाल के कारीगरों ने बनाई है। प्रतिष्ठा समारोह के उपलक्ष्य में सोमवार शाम को अल्बर्ट हॉल में रामोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा।

राजस्थान में सड़क हादसे में पांच दोस्तों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। उदयपुर जिले में उखलिया सुंरग के पास बीती रात हुए हादसे में पांच दोस्तों की जान चली गई। सुरंग को पार करते समय उनकी जीप पलट गई थी, जिसमें से तीन की मौके पर, जबकि दो की मौत उदयपुर लाते समय हो गई थी। मिली जानकारी के अनुसार हादसा उदयपुर जिले के बेकरिया इलाके में हुआ। जहां गोगुंदा पिण्डवाड़ा नेशनल हाईवे 27 पर उखलिया सुरग के पास तेज रफ्तार जीप पलट गई थी। इस जीप में घाटा नाड़ी निवासी पूना (20) एवं मनोज (22), आक्यावड़ निवासी नाथू (23), देवला निवासी भीमा (25) के अलावा उनका एक और मित्र सवार थे। बेकरिया थानाधिकारी प्रभु सिंह चुंडावत ने बताया कि पांचों दोस्त शराब के नशे में थे तथा तेज रफ्तार से जीप चला रहे थे। पांचों दोस्त गोगुंदा से देवला जा रहे थे। जीप जैसे ही उखलिया सुरंग से बाहर निकली, तभी चालक उस पर नियंत्रण खो बैठा और जीप डिवाइडर से टकराकर तीन–चार बार पलटी खाकर उलट गई थी।

बताया गया कि हादसा इतना भीषण था कि जीप के परखच्चे उड़ गए थे। पांचों युवक जीप में बुरी तरह फंस गए थे। जिन तीन युवकों की मौके पर मौत हुई उनके शव बुरी तरह बिखर गए थे। जिन्हें निकालने में पुलिस को एक घंटे का समय लगा। हादसे की सूचना पर जिला कलक्टर अरविन्द पोसवाल और पुलिस अधीक्षक भुवन–भूषण यादव भी घटनास्थल पर पहुंचे। नाथू के पिता खेता गरासिया ने बताया कि वह उसका इकलौता बेटा था और हादसे में उसकी मौत हो गई। कैबिनेट मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने हादसे में दुख जताया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नवाया शीश, प्रेम मंदिर में देखा प्राण प्रतिष्ठा का सीधा प्रसारण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। रामभूमि पर शंखनाद और श्रीराम की जयघोष के बीच सोमवार को नवनिर्मित राम मंदिर में श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा हुई। संकल्प से सिद्धि, हर्ष और उत्कर्ष के दिन इस युगांतर और अलौकिक क्षण को देखकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शीश नवाया। जयपुर के प्रतापनगर स्थित प्रेम मंदिर से मुख्यमंत्री ने रामभक्तों के साथ प्राण प्रतिष्ठा समारोह का सीधा प्रसारण देखा। शर्मा ने कहा कि सकल मनोरथ के दिन देश में नए सांस्कृतिक युग की शुरूआत हुई है। आज अयोध्या में ही नहीं बल्कि हर व्यक्ति के मन में श्रीराम विराजमान हुए हैं। शर्मा ने कहा कि श्रीराम के राघव रूप को देखकर वर्षों का स्वप्न साकार हुआ है। राम हमारे रोम–रोम में हैं। इससे पहले उन्होंने मंदिर में पूजा–अर्चना भी की। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को राम दीपावली पर शुभकामनाएं देकर कहा कि दुनिया आज रामलला का ऐतिहासिक धार्मिक उत्सव मना रही है। उन्होंने कहा कि श्रीराम ने अपने जीवन में सत्य, धर्म और प्रेम मूल्यों का पालन किया है, उसी तरह हमें भी उनके जीवन मूल्यों को आत्मसात कर सशक्त व नैतिक समाज के निर्माण में अहम जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

शर्मा ने कहा कि रामलला की प्राण प्रतिष्ठा पर कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई हैं। इसमें राज्य सरकार द्वारा संत–महंत एवं पुजारियों का सम्मान किया जाएगा। वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना के अन्तर्गत अयोध्या में राम मंदिर के दर्शन कराए जाएंगे। प्रतापगढ़ के सीतामाता वन्य जीव अभ्यारण्य में वनपथ, पुलिया निर्माण तथा पर्यटकों एवं श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए विकास कराने के साथ कई कार्य होंगे। प्रेम मंदिर पर सीधा प्रसारण देखने पहुंचे श्रद्धालुओं की आंखें श्रीरामलला की पहली अद्भुत छवि देखते हुए नम हुईं। यहां मंदिर ट्रस्ट द्वारा मुख्यमंत्री का स्वागत अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर बगरू विधायक कैलाश वर्मा, नगर निगम ग्रेटर जयपुर के उप महापौर पुनीत कर्नावट, संत अमितासन दास महाराज सहित अन्य जनप्रतिनिधि, श्रद्धालु उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने सोमवार सुबह मानसरोवर के मंगल मंदिर (राम दरबार) और देहलावास बालाजी मंदिर में भी विधिवत पूजा–अर्चना की। उन्होंने प्रदेश में खुशहाली और सुख समृद्धि के लिए कामना की।

दीया कुमारी ने ढेहर के बालाजी मंदिर में अयोध्या राममंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को देखा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने सोमवार को अयोध्या से रामंदिर में रामलला प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के सीधे प्रसारण को जयपुर के प्रसिद्ध ढेहर के बालाजी मंदिर से देखा। इससे पहले श्रीमती दीया कुमारी ने अम्बाबाड़ी स्थित राम मंदिर में भी दर्शन किए और इससे पूर्व उन्होंने सिटी पैलेस में सीतारामद्वारा मंदिर में पूजा अर्चना कर प्रदेश में सुख, समृद्धि एवं कल्याण की कामना की। इस मौके उन्होंने बताया कि 18वीं सदी में निर्माण की गई सीतारामद्वारा मंदिर में स्थापित सीतारामद्वारा की मूर्ति उनके पूर्वज महाराजा सवाई जय सिंह द्वितीय द्वारा अयोध्या से लायी गई थी। उन्होंने कहा कि अयोध्या में राममंदिर में रामलला प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर दिन की शुरूआत सीतारामद्वारा

मंदिर पहुंचकर प्रभु श्रीराम एवं माता सीता की पूजा–अर्चना कर की। उधर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने जयपुर के चांदपोल में भगवान रामचंद्र मंदिर में दर्शन कर प्रदेश और देश की खुशहाली की कामना की। डा पूनियां ने रामलला प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम को भगवान गोविंद देवजी मंदिर में संतों, जयपुरवासियों और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ एलईडी स्क्रीन पर हो रहे सीधे प्रसारण को देखा।

चिकित्सा कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी : शर्मा

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि चिकित्सा कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। इसके साथ ही उन्होंने सभी जिलाधिकारियों को हर सप्ताह अस्पतालों का निरीक्षण करने का निर्देश दिया। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है कि प्रदेशवासियों को गुणवत्तापूर्ण उपचार मिले। मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव को निर्देश दिए कि जिलाधिकारी जरिए जिला अस्पतालों का सप्ताह में एक बार निरीक्षण कराना सुनिश्चित करे। साथ ही, अतिरिक्त जिलाधिकारी, उप संभागीय अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, प्रधान चिकित्सा अधिकारी भी अस्पतालों में व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर रिपोर्ट विभाग को प्रस्तुत करें।

उन्होंने कहा कि राज्य स्तरीय टीम गठित कर प्रदेश में औचक निरीक्षण कराएं। इसके लिए विभाग प्रमुख कार्यों की सूची भी तैयार करे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि चिकित्सक अस्पतालों में समय पर पहुंचे और मरीजों एवं तिमारदारों के साथ अच्छा व्यवहार रखें। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कार्यों में अनावश्यक देरी करने वालों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए।

चिकित्सा विभाग की उच्च स्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेशवासियों के लिए निःशुल्क दवा और जांच सुविधाएं उपलब्ध हैं, लेकिन हमारा प्रयास है कि लोग स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित हों। उन्होंने स्वच्छता पर को लेकर कहा कि खुले में खाद्य पदार्थों की बिक्री पर रोक लगाएं तथा मिलावट करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। खाद्य सामग्री विक्रेताओं को कानूनों की जानकारी दी जानी चाहिए।

गुणवत्ता युक्त शिक्षा हर बच्चे का अधिकार, शिक्षक इसे अपना लक्ष्य बनाएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर, 22 जनवरी। प्रदेश में स्कूल शिक्षा विभाग की एक नई पहल के तौर पर प्रदेश में नवनियुक्त 16 हजार शिक्षकों को कक्षाओं में के लिए दक्ष बनाने के लिये इंडक्शन ट्रेनिंग के अंतर्गत मास्टर्स ट्रेनर्स का प्रशिक्षण कार्यक्रम लॉन्च किया गया है। इसके प्रथम चरण का उद्घाटन सोमवार को स्कूल शिक्षा विभाग के शासन सचिव नवीन जैन ने किया। स्कूल शिक्षा विभाग के इस महा मिशन के तहत शासन सचिव नवीन जैन के मार्गदर्शन में राज्य स्तर पर स्टेट रिसोर्स ग्रुप के 11 सदस्यों द्वारा एक ट्रेनिंग मॉड्यूल बनाया गया है। इस ग्रुप के सदस्यों द्वारा तीन चरणों में 450 मास्टर ट्रेनर्स को चार दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण दिया जायेगा। ये प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स जिलों में नवनियुक्त ग्रेड–3 के लेवल–1 के 16 हजार शिक्षकों को विशेष प्रशिक्षण देंगे।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के उदघाटन सत्र को सम्बोधित करते हुए शासन सचिव नवीन जैन ने कहा कि राजस्थान के शैक्षिक परिदृश्य में गुणवत्ता लाने के लिए हमें प्राथमिक और उच्च प्राथमिक कक्षाओं की शिक्षण प्रक्रिया को मजबूत करना होगा। क्वालिटी एजुकेशन राजस्थान के हर बच्चे का अधिकार है। प्रदेश के राजकीय विद्यालयों में अध्ययनरत प्रत्येक विद्यार्थी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने को शिक्षक अपना लक्ष्य बनाए, इससे वे आने वाले कल में देश का भविष्य बदल सकते हैं। शिक्षकों को इसी सोच के साथ प्रत्येक बच्चे के साथ इस प्रकार जुड़ना होगा कि वह बच्चा भविष्य में देश और समाज के लिये कुछ महान कार्य करने के योग्य बने, प्रत्येक बच्चे की क्षमताओं को इसी दिशा में आगे बढाने की आवश्यकता है। उन्होंने उदाहरण देकर कहा कि हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी या पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम को पढ़ाने वाले शिक्षकों को यह पता नहीं था कि उनके विद्यार्थी एक दिन देश को प्रगति के पथ पर अग्रसर करने में प्रमुख भूमिका निभाएंगे।

जैन ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे मास्टर ट्रेनर्स में नवीन ऊर्जा, उत्साह व प्रेरणा का संचार करते हुए कहा कि वे आज और प्रशिक्षण के आगामी दिवसों को देश व मानवता के नाम समर्पित कर रहे हैं।

राम की प्राण प्रतिष्ठा भारतीय संस्कृति के राम मय होने का पर्व : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राम जन्म भूमि में आयोजित रामलला प्राण प्रतिष्ठा विशिष्टोत्सव का राजभवन में अयोध्या से विशेष प्रसारण हुआ। राज्यपाल कलराज मिश्र ने इस अवसर पर कहा कि अयोध्या में राम मंदिर निर्माण पूरे देश के लिए हर्षोल्लास का, आनंद का और राममय होने का गौरवपूर्ण अवसर है।

उन्होंने राम लला के मंदिर में विधिवत विराजने की सभी को बधाई देते हुए भगवान राम से देशवासियों की खुशहाली और सदा मंगल की कामना की। इस अवसर पर उपस्थित उप मुख्यमंत्री प्रेम चंद बैरवा ने भी बधाई देते हुए शुभकामनाएं दी।

अयोध्या में मंदिर निर्माण और मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की राजभवन के दरबार हॉल से सीधे प्रसारण के बाद पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र द्वारा सुप्रसिद्ध पार्श्व गायक अभिजीत घोषाल का राम भजन प्रवाह कार्यक्रम भी आयोजित हुआ। अभिजीत घोषाल ने राम के 14 वर्षों के वनवास के बाद अयोध्या लौटने पर मनाए गए उत्सव से जुड़े गान 'राम आए, रघुनंदन हम गाएं, उनके स्वागत में हम दीप जलाएं...' से राम भजन प्रवाह का शुभारंभ किया। इसके बाद उन्होंने 'राम के शरणागत हो लें, सब काम बन जाए.. हे राम, हे राम...' की सुमधुर प्रस्तुति देते हुए सभी को राममय कर दिया।

अयोध्या में पीएसी के बैंड ने भक्ति धुनें बजाईं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या/भाषा। उत्तर प्रदेश की प्रादेशिक सशस्त्र कांस्टेबुलरी (पीएसी)के एक बैंड ने सोमवार को रामलला के नवीन विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में मनाए गए उत्सव के तहत यहां 'राम आएंगे' और 'सारे जहां से अच्छा' समेत कई धुनें बजाईं।

प्रयागराज स्थित पीएसी की चौथी बटालियन से संबंधित 20 सदस्यीय बैंड ने मंदिर नगरी के धर्म पथ के पास एक रास्ते पर ये धुनें बजाईं। यह सड़क फिलहाल 40 सूर्य स्तंभों से सुसज्जित है। पवित्र शहर में नवनिर्मित मंदिर में रामलला की 51 इंच ऊंची प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा के लिए भव्य समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी हिस्सा लिया। अयोध्या नगरी में धार्मिक उत्साह और उत्सव जैसा माहौल है। हर कोने पर लाउडस्पीकर पर 'जय श्री राम' के नारे और भगवान राम की स्तुति करने वाले पारंपरिक गीत बजते सुनाई देते हैं।

अयोध्या में वाहनों और पैदल यात्रियों की आवाजाही पर प्रतिबंध के बावजूद, बड़ी संख्या में लोग राम पथ के दोनों किनारों पर कतार में खड़े थे। लता मंगेशकर चौक के आसपास भी लोग एकत्र दिखे। पीएसी बैंड ने राम मंदिर के कट-आउट की पृष्ठभूमि में गाने और भजन के धुन बजाए। बैंड का संचालन करने वाले प्लाटून कमांडर अरविंद कुमार ने यहां 'पीटीआई-भाषा' से कहा, हम प्रयागराज से आए हैं और डूमनगंज में तैनात पीएसी की चौथी बटालियन का प्रतिनिधित्व करते हैं। हम आज राम जी के लिए बजा रहे हैं, क्योंकि उनका भव्य मंदिर बन गया है। बैंड ने 'रघुपति राघव राजा राम, राम जानकी बैठे हैं, मेरे सीने में, कभी राम, कभी श्याम, राम आएंगे' और 'सारे जहां से अच्छा' जैसे पांच गीतों के धुन बजाए।

प्राण प्रतिष्ठा के साथ राम रंग में सराबोर हुई संगम नगरी प्रयागराज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रयागराज/भाषा। अयोध्या में भगवान राम के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा पूरी होने के साथ संगम नगरी प्रयागराज सोमवार को राम रंग से सराबोर हो गई। जहां सिविल लाइंस स्थित हनुमत निकेतन मंदिर में सुंदरकांड का आयोजन हुआ, वहीं पूरे माघ मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं ने प्राण प्रतिष्ठा का लाइव प्रसारण देखा।

सनातन एकता मिशन के अध्यक्ष अशोक पाठक ने कहा, भगवान राम के भव्य मंदिर में विराजमान होने से पूरे प्रयागराज में हर्ष एवं उल्लास का माहौल है। जगह जगह पटाखे फोड़े जा रहे हैं, मिठाइयां बंट रही हैं और भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। माघ मेला अधिकारी दयानंद प्रसाद के मुताबिक, माघ मेला क्षेत्र में लोगों ने प्राण प्रतिष्ठा का लाइव प्रसारण देखा और वे ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बने। उन्होंने बताया कि पूरा मेला क्षेत्र राम धुन से गुंजायमान है और शाम को शिविरों में दिए जलाए जाएंगे। इसी तरह, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के कार्यकर्ताओं ने विश्व की सबसे बड़ी 3डी रंगोली विश्व हिंदू परिषद के शिविर में प्रदर्शित की जो 30 फुट चौड़ी और 50 फुट लंबी है।

एबीवीपी के प्रदेश मीडिया संयोजक अभिनव मिश्र ने बताया कि इस रंगोली को बनाने में कुल 321 किलो प्राकृतिक रंग का उपयोग किया गया और यह रंगोली प्रभु राम और अयोध्या में बने मंदिर पर आधारित है।

दारागंज स्थित परकाला स्वामी मठ में विशेष पूजा अनुष्ठान का आयोजन किया गया। परकाला मठ के जनसंपर्क अधिकारी अनंत सयनम ने बताया कि प्रयागराज के अलावा अयोध्या में भी परकाला मठ में विशेष पूजा अनुष्ठान का आयोजन किया गया और प्रसाद वितरण किया गया।

अयोध्या हवाई अड्डे पर उड़ानों की संख्या 100 तक पहुंचने की उम्मीद

नई दिल्ली/भाषा। राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने के लिए सोमवार को देश भर से विशिष्ट अतिथियों के आगमन से नवनिर्मित हवाई अड्डे पर लगभग 100 उड़ानों का आवागमन होने की उम्मीद है।

इस समारोह के लिए आमंत्रित लोगों की सूची में 7,000 से अधिक मेहमान शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में अयोध्या के भव्य मंदिर में राम लला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की गई। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी सैकड़ों विशिष्ट हस्तियां पहुंचीं। अयोध्या स्थित महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इस विशेष अवसर पर उड़ानों की आवाजाही की संख्या लगभग 100 तक पहुंचने की उम्मीद है क्योंकि समारोह के बाद लोग वापस लौटना शुरू कर देंगे। अधिकारी ने बताया कि अपराह्न करीब 2.30 बजे तक हवाई अड्डे पर 18 चार्टर्ड उड़ानें आईं जबकि 17 चार्टर्ड विमानों ने यहां से उड़ान भरी। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि रविवार को कॉरपोरेट दिग्गजों और विशिष्ट अतिथियों सहित कई लोग अयोध्या पहुंचे थे। इस तरह रविवार को हवाई अड्डे पर उड़ानों की संख्या लगभग 90 थी। इस कार्यक्रम के लिए सुबह की उड़ानों से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत, अमिताभ बच्चन, अभिषेक बच्चन, अनुपम खेर, कैलाश खेर, जुबिन नौटियाल, प्रसन जोशी, मनोज जोशी, दिग्गज क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर और उद्योगपति अनिल अंबानी पहुंचे। इनके अलावा हेमा मालिनी, कंगना रनौत, श्री श्री रविशंकर, मोरारी बापू, रजनीकांत, पवन कल्याण, मधुर भंडारकर, सुभाष घई, शेफाली शाह और सोनू निगम रविवार को ही अयोध्या पहुंच गए थे।

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर युगों-युगों तक सनातन संस्कृति का अद्वितीय प्रतीक रहेगा: शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

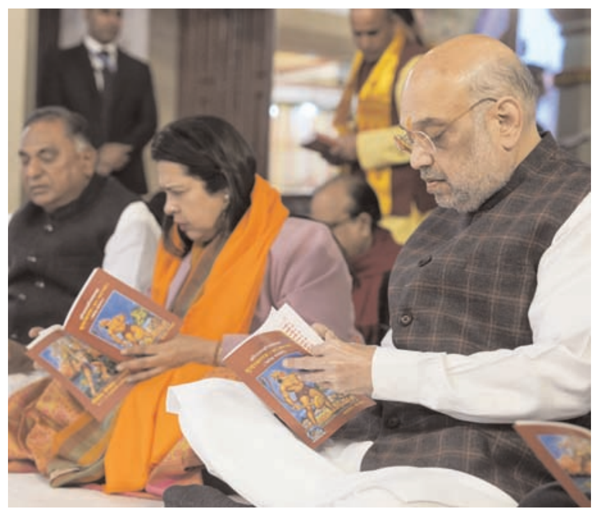

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अयोध्या में राम मंदिर के गर्भगृह में सोमवार को श्री रामलला के नवीन विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा को करोड़ों राम भक्तों के लिए अविस्मरणीय दिन करार दिया और कहा कि यह मंदिर युगों-युगों तक सनातन संस्कृति का अद्वितीय प्रतीक रहेगा।

शाह ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, जय श्री राम- 5 सदी की प्रतीक्षा और प्रतिज्ञा आज पूर्ण हुई। उन्होंने कहा, आज का दिन करोड़ों रामभक्तों के लिए कभी ना भूलने वाला दिन है। आज जब हमारे रामलला अपने भव्य मंदिर में विराजमान हुए हैं तब असंख्य रामभक्तों की तरह मैं भी भावविभोर हूं। इस भावना को शब्दों में समेट पाना संभव नहीं है।

शाह ने कहा कि इस पल की प्रतीक्षा में न जाने कितनी पीढ़ियां खप गईं लेकिन कोई भी डर और आतंक रामजन्मभूमि पर फिर से मंदिर बनाने के संकल्प और विश्वास को डिगा नहीं पाया।

पूर्व भाजपा अध्यक्ष ने राम मंदिर के लिए अपने प्राणों की आहूति देने वाले सभी लोगों को नमन करते हुए कहा कि उन्होंने अनेक अपमान और यातनाएं सहीं पर धर्म का मार्ग नहीं छोड़ा। उन्होंने कहा, विश्व हिंदू परिषद्, हजारों श्रेष्ठ संत और असंख्य नामी-गुमनामी लोगों के संघर्ष का आज सुखद व सुफल परिणाम आया है। यह विशाल श्रीराम जन्मभूमि मंदिर युगों-युगों तक अविरल अविनाशी सनातन संस्कृति का अद्वितीय प्रतीक रहेगा। शाह ने राम मंदिर निर्माण के संकल्प को सिद्ध करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार भी जताया। शाह ने राजधानी दिल्ली में स्थित बिरला मंदिर में पार्टी के अन्य नेताओं के साथ 'प्राण प्रतिष्ठा' समारोह का सीधा प्रसारण देखा।

त्रिपुरा, असम के मंदिरों में हुई विशेष पूजा, शोभायात्रा निकाली गईं

अगरतला/गुवाहाटी/भाषा। अयोध्या में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के उपलक्ष्य में सोमवार को असम और त्रिपुरा के विभिन्न मंदिरों में विशेष पूजा का आयोजन किया गया। साथ ही कई जगहों पर शोभायात्रा निकाली गईं।

त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने अगरतला के दुर्गाबाड़ी में एक विशेष यज्ञ किया। मुख्यमंत्री ने संवाददाताओं से कहा, आज, भगवान राम की जन्मस्थली अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के साथ 500 साल पुराना इंतजार खत्म हो गया है। इसके साथ ही देश ने राम राज्य की ओर अपनी यात्रा शुरू कर दी है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राम भक्तों की सराहना के पात्र हैं। प्रधानमंत्री लोगों की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने की कोशिश कर रहे हैं और हम भी सर्वोत्तम तरीके से लोगों की सेवा करने का प्रयास कर रहे हैं। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री प्रतिमा भौमिक ने भी प्रगति रोड स्थित मेहर कालीबाड़ी में यज्ञ किया। प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर विभिन्न संगठनों ने भी त्रिपुरा में पूजा-अर्चना की।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को अयोध्या स्थित राम मंदिर में 'श्री राम लला' के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को एक 'निर्णायक मोड़' तथा 'राष्ट्रीय चेतना का पुनर्जागरण' बताया। अयोध्या में भगवान राम के बाल स्वरूप के विग्रह की 'प्राण प्रतिष्ठा' के मौके पर असम के विभिन्न हिस्सों में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए।

देश का सबसे बड़ा पर्यटक केंद्र होगा अयोध्या: रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अयोध्या में राम मंदिर के भव्य उद्घाटन से शहर में प्रति वर्ष कम-से-कम पांच करोड़ पर्यटकों के आने की संभावना है। यह संख्या स्वर्ण मंदिर और तिरूपति मंदिर में जाने वाले श्रद्धालुओं से कहीं अधिक है। ब्रोकरेज फर्म जेफरीज ने अपनी एक रिपोर्ट में अनुमान जताया है कि हवाई अड्डे जैसे बुनियादी ढांचे पर बड़े पैमाने पर खर्च करने से उत्तर प्रदेश का यह शहर एक बड़े पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित हो जाएगा।

रिपोर्ट के मुताबिक एक नए हवाई अड्डे, विस्तारित रेलवे स्टेशन, आवासीय योजनाओं और बेहतर सड़क संपर्क के साथ नए होटलों और अन्य आर्थिक गतिविधियों के चलते यहां प्रति वर्ष पांच करोड़ से अधिक पर्यटक आ सकते हैं। एक अनुमान के मुताबिक अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में प्रति वर्ष 3-3.5 करोड़ लोग आते हैं, जबकि तिरूपति मंदिर में 2.5-3 करोड़ लोग आते हैं। विश्व स्तर पर, वेटिकन सिटी में हर साल लगभग 90 लाख पर्यटक आते हैं और सऊदी अरब के मक्का में लगभग दो करोड़ पर्यटक आते हैं।

जेफरीज के अनुसार, धार्मिक पर्यटन अभी भी भारत में पर्यटन का सबसे बड़ा खंड है। कई लोकप्रिय धार्मिक केंद्र बुनियादी ढांचे की बाधाओं के बावजूद हर साल 1-3 करोड़ पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। इसलिए, बेहतर संपर्क और बुनियादी ढांचे के साथ एक नए धार्मिक पर्यटन केंद्र (अयोध्या) का निर्माण एक बड़ा आर्थिक प्रभाव पैदा कर सकता है।

रिपोर्ट में कहा गया कि पर्यटन ने वित्त वर्ष 2018-19 (कोविड-पूर्व) के दौरान जीडीपी में 194 अरब डॉलर का योगदान दिया और वित्त वर्ष 2032-33 तक इसके आठ प्रतिशत की दर से बढ़कर 443 अरब डॉलर होने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर ढोल बजाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सोमवार को अयोध्या मंदिर में रामलला के नवीन विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा किए जाने के अवसर पर ठाणे में अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ ढोल बजाए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में अयोध्या में राम मंदिर के गर्भगृह में रामलला के नवीन विग्रह की दोपहर साढ़े बारह बजे प्राण-प्रतिष्ठा की गई और देश-विदेश में लाखों रामभक्त इसके साक्षी बने।

प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के दौरान बजाई गई मधुर ''मंगल ध्वनि'' में देशभर के 50 पारंपरिक वाद्ययंत्रों का उपयोग किया गया। अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह संपन्न होने के बाद, शिंदे और उनकी पार्टी (शिवसेना) के कार्यकर्ता मुंबई के पड़ोसी ठाणे शहर में कपिनेश्वर मंदिर के पास खुले स्थान पर एकत्र हुए। वहां मुख्यमंत्री ने इस अवसर के उपलक्ष्य में ढोल बजाए। बाद में, बात करते हुए शिंदे ने कहा कि अयोध्या में भव्य राम मंदिर बनाने का 500 साल का सपना अंतत: सच हो गया। शिंदे ने कहा, यह बालासाहेब ठाकरे और लाखों राम भक्तों का सपना था। कारसेवा के दौरान आनंद दीघे (शिंदे के राजनीतिक गुरु) ने हमारा नेतृत्व किया और उन्होंने मंदिर के निर्माण के लिए चांदी की एक ईंट भी दान में दी। राम मंदिर आस्था का विषय है, राजनीति का नहीं।

भाजपा महिला विरोधी, देवी सीता पर साध लेती है चुप्पी: ममता बनर्जी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। प.बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने लोकसभा चुनाव से पहले ''धर्म के राजनीतिकरण'' का प्रयास करने को लेकर सोमवार को भाजपा की आलोचना की और भगवान राम के बारे में विमर्श से देवी सीता को हटा देने के लिए उसे ''महिला विरोधी'' करार दिया। अयोध्या में नवनिर्मित राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दिन तृणमूल कांग्रेस द्वारा आयोजित मार्च का नेतृत्व करते हुए ममता ने देश में धर्मनिरपेक्षता और समावेशिता के सिद्धांतों को संरक्षित करने में बंगाल की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया।

रैली में उन्होंने कहा, मैं चुनाव से पहले धर्म का राजनीतिकरण करने में विश्वास नहीं करती। मैं ऐसी परिपाटी के खिलाफ हूं। मुझे भगवान राम की पूजा करने वालों से कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन लोगों की खान-पान की आदतों में हस्तक्षेप पर आपत्ति है। ममता ने विभिन्न धर्मों के धार्मिक नेताओं और पार्टी नेताओं के साथ 'सर्व-धर्म सद्भाव' मार्च शुरू किया, जो यहां पार्क सर्कस क्रॉसिंग पर समाप्त हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा, वे (भाजपा) भगवान राम के बारे में बात करते हैं, लेकिन देवी सीता का क्या? वह वनवास के दौरान हमेशा भगवान राम के साथ रहीं। वे उनके बारे में नहीं बोलते क्योंकि वे महिला विरोधी हैं।

प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में श्रद्धालु को पड़ा दिल का दौरा, वायुसेना के मोबाइल अस्पताल ने बचाई जान

अयोध्या (उप्र)/भाषा। भारतीय वायुसेना की त्वरित प्रतिक्रिया टीम के एक मोबाइल अस्पताल ने उस भक्त की जान बचा ली, जिसे सोमवार को यहां राम मंदिर में 'प्राण प्रतिष्ठा' कार्यक्रम में भाग लेने के दौरान दिल का दौरा पड़ा था। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, रामकृष्ण श्रीवास्तव (65) के मंदिर परिसर के अंदर गिरते ही विंग कमांडर मनीष गुप्ता के नेतृत्व में भीष्म क्यूब की एक टीम ने तुरंत उन्हें वहां से निकाला और उन्हें उपचार दिया। बयान के मुताबिक, प्रारंभिक मूल्यांकन में, यह पाया गया कि श्रीवास्तव का रक्तचाप 210/170 के खतरनाक स्तर तक बढ़ गया था। त्वरित प्रतिक्रिया टीम ने उन्हें स्थल पर प्रारंभिक उपचार प्रदान किया। बयान के अनुसार, मरीज की हालत स्थिर होने पर उन्हें आगे की निगरानी और विशेष देखभाल के लिए सिविल अस्पताल ले जाया गया। रविवार को जारी सूचना और प्रसारण मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, प्राण प्रतिष्ठा' समारोह के लिए चिकित्सा तैयारी और प्रतिक्रिया क्षमताओं को बढ़ाने के लिए आरोग्य मैत्री आपदा प्रबंधन परियोजना के तहत दो क्यूब-भीष्म मोबाइल अस्पतालों को अयोध्या में तैनात किया गया था।

प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम: प्रमुख विपक्षी नेता रहे दूर, कई ने दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस समेत विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के कई घटक दलों के प्रमुख नेता अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल नहीं हुए, हालांकि इनमें से कुछ दलों के नेताओं ने सोशल मीडिया पर रामलला की तस्वीर साझा करते हुए लोगों को शुभकामनाएं दीं तथा 'जय सियाराम' का उद्घोष किया। अयोध्या में राम मंदिर के गर्भगृह में सोमवार को श्री रामलला के नवीन विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा संपन्न हुई जिसके साक्षी देश-विदेश में लाखों रामभक्त बने। इस अवसर पर विशेष अनुष्ठान में भाग लेने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसे अलौकिक क्षण बताते हुए 'सियावर रामचंद्र की जय' और 'जय श्रीराम' का उद्घोष किया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार, तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी तथा समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव उन प्रमुख विपक्षी नेताओं में शामिल रहे जिन्हें निमंत्रित किया गया था, लेकिन उन्होंने इस कार्यक्रम से दूरी बनाने का फैसला किया। कांग्रेस नेतृत्व ने भगवान राम में अपनी आस्था व्यक्त करने के साथ ही यह कहते हुए निमंत्रण अस्वीकार कर दिया था कि यह भाजपा और आरएसएस का कार्यक्रम है। कार्यक्रम में शामिल होने वाले कुछ कांग्रेस नेताओं में हिमाचल प्रदेश के मंत्री विक्रमादित्य सिंह रहे। उधर, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दिन असम में श्री श्री शंकर देव सत्र मंदिर में दर्शन करना चाहते थे, लेकिन प्रशासन ने इसकी अनुमति नहीं दी।

स्टार बल्लेबाज विराट कोहली निजी कारणों से इंग्लैंड के खिलाफ शुरुआती दो टेस्ट से हटे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली निजी कारणों से इंग्लैंड के खिलाफ शुरुआती दो टेस्ट मैच से हट गए हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोमवार को यह जानकारी दी।

बीसीसीआई ने साथ ही प्रशंसकों और मीडिया से अपील की कि वे इस स्टार क्रिकेटर के ब्रेक लेने के कारणों पर अटकलें लगाना बंद करें। पांच मैच की शृंखला हैदराबाद में 25 जनवरी से शुरू होगी। बीसीसीआई जल्द ही उनके विकल्प की घोषणा करेगा। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने बयान में कहा, विराट कोहली ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से निजी कारणों से इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट शृंखला के शुरुआती दो टेस्ट से उन्हें हटाने का आग्रह किया है। बीसीसीआई ने साथ ही कहा कि कोहली ने हटने के अपने फैसले के बारे में कप्तान रोहित शर्मा और टीम प्रबंधन से भी बात की है। विज्ञप्ति के अनुसार, विराट ने कप्तान रोहित शर्मा, टीम प्रबंधन और चयनकर्ताओं से बात की है और जोर देते हुए कहा कि देश का प्रतिनिधित्व करना हमेशा उनकी शीर्ष प्राथमिकता है लेकिन कुछ निजी स्थितियों में उनकी मौजूदगी की जरूरत है। शाह ने कहा कि बीसीसीआई अपने स्टार खिलाड़ी का पूरा समर्थन करता है और उसे टीम तथा उसकी क्षमता पर भरोसा है कि वे अपने सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज के बिना भी नतीजा देंगे।

उन्होंने कहा, बीसीसीआई उनके फैसले का सम्मान करता है और बोर्ड तथा टीम प्रबंधन ने स्टार बल्लेबाज को अपना समर्थन दिया है और टेस्ट शृंखला में सराहनीय प्रदर्शन करने के लिए टीम के बाकी सदस्यों की क्षमताओं पर भरोसा है। उन्होंने सभी से अपील की कि वे कोहली की निजता का सम्मान करें।

शाह ने कहा, बीसीसीआई मीडिया और प्रशंसकों से अनुरोध करता है कि वे इस दौरान विराट कोहली की निजता का सम्मान करें और उनके व्यक्तिगत कारणों को लेकर अटकलें लगाने से बचें।

रोहित अपने प्रदर्शन से उदाहरण पेश करने वाले कप्तान : जहीर खान

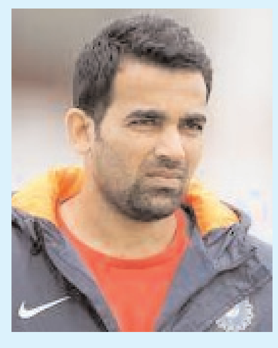

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के बाएं हाथ के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान ने रोहित शर्मा को ' जिम्मेदारी लेने वाला कप्तान' बताते हुए शुक्रवार को कहा कि वह इंग्लैंड के खिलाफ आगामी पांच टेस्ट मैचों की शृंखला में एक कप्तान और बल्लेबाज दोनों के रूप में अच्छा योगदान देंगे। जहीर ने 'जियो सिनेमा' पर कहा, हर कोई जानता है कि रोहित ने पूरी टीम पर कैसा प्रभाव डाला है।

जहीर ने कहा कि रोहित की कप्तानी की पहचान उनकी अच्छी तरह से संवाद करने की क्षमता है। इस पूर्व गेंदबाज ने कहा, वह हर खिलाड़ी से संवाद करते है। वह प्रत्येक खिलाड़ी को जरूरी आत्मविश्वास देते हैं और उनसे सर्वश्रेष्ठ लेने की कोशिश करते है। उन्होंने कहा, वह जिम्मेदारी उठाकर कप्तानी करना पसंद करते है। यह उनकी कप्तानी की पहचान रही है और ऐसा विश्व कप में भी देखा गया है। वह खुद अच्छा प्रदर्शन कर दूसरों को प्रेरित करने की कोशिश करते है।

जहीर ने कहा, जब आपके पास ऐसा कप्तान हो जो खुद उदाहरण पेश करें तो इससे पूरे समूह का आत्मविश्वास बढ़ता है।

सुविचार

एक समय में एक काम करो, और ऐसा करते समय अपनी पूरी आत्मा उसमे डाल दो और बाकी सब कुछ भूल जाओ।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अब रामराज्य आए

प्रभु श्रीराम अयोध्या में अपने दिव्य धाम में विधिपूर्वक विराजमान हो गए। पूरे देश ने प्राण-प्रतिष्ठा समारोह का उत्सव मनाया, जिसकी गूंज दुनिया के कोने-कोने तक सुनाई दे रही है। जिन लोगों ने प्रत्यक्ष या टीवी/मोबाइल फोन पर इस कार्यक्रम को देखा, वे ऐतिहासिक क्षणों के साक्षी हो गए हैं। वर्षों, दशकों, सदियों और युगों-युगों तक इस कार्यक्रम की चर्चा होती रहेगी। प्रभु श्रीराम तो आ गए हैं, अब रामराज्य भी आना चाहिए। भगवान ने शासन-व्यवस्था के जो सिद्धांत दिए थे, उन्हें लागू करना चाहिए। आम जनता को दिखना और महसूस होना चाहिए कि भारत में रामराज्य की स्थापना हो रही है। इसी सिलसिले में देश को कई बड़े सुधारों की ज़रूरत है। प्रशासन में सुधार हो, पुलिस व्यवस्था में सुधार हो, शिक्षा सबके लिए सुलभ हो और वह अच्छे नागरिक बनाने के साथ ही रोजगार देना भी सुनिश्चित करे, उत्कृष्ट व निःशुल्क चिकित्सा सुविधाएं हों, बिजली-पानी जैसी सुविधाएं सबको मिलें, सरकारी दफ्तरों में जनता का आसानी से काम हो, अनावश्यक चक्कर लगवाना बंद हो, अपराधों पर सख्ती से लगाम लगे ... जनता का व्यवस्था में विश्वास दृढ़ हो। प्रभु श्रीराम ने तत्कालीन युग की नकारात्मक शक्तियों के आतंकवाद को नष्ट किया था। कलियुग में आतंकवाद रूप बदलकर आ गया है। भारत को पुनः उसी 'रामनीति' का अनुसरण करते हुए आतंकवाद का समूल नाश करना होगा। प्रभु श्रीराम के अनन्य भक्त महावीर हनुमान ने लंका में घुसकर न केवल सूचनाएं इकट्ठी की थीं, बल्कि जोरदार 'सर्जिकल स्ट्राइक' भी की थी। आतंकवाद के खात्मे के लिए भारत को उसी तर्ज पर अपना खुफिया नेटवर्क और मजबूत बनाना होगा तथा ज़रूरत पड़ने पर वही दोहराना होगा, जो हनुमानजी ने लंका में कर दिखाया था। भगवान की प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा के अनुष्ठान के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में एक बहुत खास बात कही थी, जिस पर हमें चिंतन, मनन करना चाहिए- 'मैं आज प्रभु श्रीराम से क्षमा याचना भी करता हूं। हमारे पुरुषार्थ, त्याग और तपस्या में कुछ तो कमी रह गई होगी कि हम इतनी सदियों तक यह कार्य नहीं कर पाए।'

हमें अपने इतिहास को भूलना नहीं है। हमें उन बिंदुओं का पता लगाना है, जिनके कारण विदेशी आक्रांता हमारे 'शासक' बन बैठे थे, जिन्होंने शक्ति व सत्ता के अहंकार में हमारी आस्था को ठेस पहुंचाई थी। निश्चित रूप से हमसे ग़लतियां हुई थीं, जिसके बाद हम पराधीन हुए थे। विडंबना ही थी कि लूट-मार का मंसूबा लेकर निकले विदेशी गिरोह यहां काबिज हुए! उन्होंने हमारी कमियों का फायदा उठाया। अब हमें एकजुट रहना है, सशक्त रहना है। याद रखें, प्रभु श्रीराम तपस्वी के वेश में वन में गए थे, लेकिन उन्होंने अपने अस्त्र-शस्त्र नहीं छोड़े थे। भारत की साख और धाक के लिए ज़रूरी है कि हमारी सेनाओं के पास अत्याधुनिक अस्त्र-शस्त्र हों। इसके लिए आयात पर नहीं, बल्कि स्वदेश में उद्योग विकसित करने होंगे। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ड्रोन, लड़ाकू विमान, हेलीकॉप्टर, टैंक, बंदूकें, कवच ... सबकुछ स्वदेशी हों, उन्नत श्रेणी के हों। भारत को समृद्ध बनाना है, ताकि देशवासियों के जीवन में संसाधनों का कोई अभाव न रहे। हर हाथ को काम मिले, हर पेट को रोटी मिले। याद रखें, अब हमें 'सोने की चिड़िया' नहीं बनना है, क्योंकि ऐसी चिड़िया को लुटेरों, शिकारियों से हमेशा खतरा रहेगा। हमें 'विश्वगुरु' बनना है। ऐसा गुरु, जिसके एक हाथ में पुस्तक और दूसरे हाथ में छड़ी हो। पुस्तक के ज्ञान से विश्व का कल्याण करना है। छड़ी उद्दंड और उत्पाती (चीन, पाक जैसे) तत्त्वों के लिए है। आज ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था के युग में नवाचार को बढ़ावा देने की ज़रूरत है। युवाओं को इतना योग्य बनाना होगा कि वे नौकरी मांगने वाले नहीं, बल्कि नौकरी देने वाले बनें। प्रभु श्रीराम ने वंचितों को हृदय से लगाया था। उन्होंने माता शबरी के जूठे बेर खाए थे। भगवान ने तत्कालीन समाज में व्याप्त कई तरह के भेदभावों को नकार कर सबके लिए उद्धार का मार्ग खोला था। आज हमें भी भेदभावों को मिटाना है। समाज में समानता और भाईचारे की भावना को बढ़ावा देना है। यह काम हो भी रहा है। शिक्षित, स्वस्थ, समृद्ध, सशक्त और खुशहाल भारत बनाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ते जाना है।

ट्वीटर टॉक

प्रभु राम तो भारत की आत्मा के कण-कण से जुड़े हुए हैं। राम भारतवासियों के अंतर्मन में विराजे हुए हैं। हम भारत में कहीं भी किसी की अंतरात्मा को छुएंगे तो इस एकत्व की अनुभूति होगी और यही भाव सब जगह मिलेगा।

-नरेन्द्र मोदी

अयोध्या में भव्य राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के अवसर पर आज जयपुर स्थित खोले के हनुमान जी मंदिर में बालाजी महाराज के दर्शन का लाभ प्राप्त किया। इस दौरान साधु संतों का आशीर्वाद लिया तथा अयोध्या में रामलल्ला को 500 साल बाद पुनः विराजमान होते देखा।

-वसुंधरा राजे

संसदीय क्षेत्र कोटा स्थित गोदावरी बालाजी धाम में श्रद्धालुओं के साथ प्रभु श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का साक्षी बनना जीवन के गौरवशाली क्षणों में से एक है। प्रभु श्री राम की कृपा सब पर बनी रहे, उनके आशीर्वाद से सबका कल्याण हो, यही प्रार्थना है।

-ओम बिरला

प्रेरक प्रसंग

अहिंसा की शक्ति

कलिंग युद्ध के पश्चात अशोक आत्मग्लानि में डूब गया था। अशोक ने बौद्ध धर्म के सिद्धांतों पर चलने का निर्णय लिया और अपनी पुत्री संघमित्रा को श्रीलंका में बौद्ध धर्म के प्रचार के लिए भेज दिया। संघमित्रा दिल से अहिंसा परमोधर्म की नीति पर चलते हुए बौद्ध धर्म की शिक्षाओं द्वारा लोगों के दिलों में उतरने लगी। एक तरफ उनके अनुयायी बढ़ रहे थे तो दूसरी ओर शत्रु भी कम नहीं थे। उन्हीं शत्रुओं में तपन नामक युवक संघमित्रा को जान से मारने के इरादे से उसका पीछा करते हुए एक रात उनकी कुटिया में जा पहुंचा। उसने देखा कि वह लालटेन की रोशनी में अपनी घायल गाय के पांव को धोकर, उस पर पत्तों का लेप लगाकर कपड़ा बांध रही थी। उसका हृदय इतना द्रवित हुआ कि वह संघमित्रा के पैरों में जा गिरा। संघमित्रा ने उसे क्षमा करते हुए अपने संघ में शामिल कर लिया।

सामयिक

बदले हुए भारत का प्रतीक बन गया अयोध्या

अवधेश कुमार
मोबाइल -9811027208

मैं पिछले कई दिनों से अयोध्या में हूं। हमारे देश के उन बुद्धिजीवियों और नेताओं को ,जो समय की धारा को नहीं पहचानते, अयोध्या के वातावरण का अनुमान भी नहीं होगा। आप कल्पना करिए कि कैसा माहौल है? पूरे अयोध्या जिला को पुलिस ने सिल कर दिया हुआ है। जिन्हें निमंत्रण है, जिनको पास मिला है वही गाड़ियां 21-22-23 जनवरी को अयोध्या आ सकी है । बावजूद हजारों की संख्या में सभी उम्र के लोग अयोध्या पहुंचे हुए हैं । मुख्य सड़कें लोगों से भरी हुई है। लोग पैदल चल कर भी अयोध्या पहुंचे हैं। यहां भारी सुरक्षा सख्ती है। लोगों को असुविधाएं हैं। बावजूद मैंने जितने भी सामान्य लोगों से बात की किसी ने भी इस पर प्रश्न नहीं उठाया। पुलिस ने लोगों को रोका हुआ है , लोग सड़कों पर खड़े हैं लेकिन ज्यादातर के चेहरे पर प्रसन्नता का भाव है। ऐसा वातावरण इसके पहले शायद ही किसी ने देखा होगा। आम तौर पर जब सुरक्षा सख्त होती है तो लोगों की आवाज उसके विरुद्ध निकलती है लेकिन अब किसी से पूछिए तो कहेंगे कि हमें कोई परेशानी नहीं है। दर्शन आज नहीं तो कल हो जाएगा। इसका अर्थ क्या है?

भारत के सामूहिक मानस का यही बदलाव आज समझने की आवश्यकता है। अगर आप थोड़ी सूक्ष्मता से विचार करेंगे तो ऐसा लगेगा कि संपूर्ण अयोध्या भारतमय है राममय है और संपूर्ण भारत इस समय अयोध्यामय और राममय हो गया है। अयोध्या के भारतमय, राममय और भारत के राममय में होने के गहरे निहितार्थों को भी समझना आवश्यक है। किसी भी देश में सांस्कृतिक पुनर्जागरण की धाराएं इसी तरह प्रभावी होतीं हैं। राम मंदिर का आंदोलन किसी सामान्य मंदिर निर्माण का आंदोलन नहीं था। यह यह ध्वस्त की गई मंदिर के पुनर्निर्माण के द्वारा भारत के सांस्कृतिक पुनर्जागरण का आंदोलन था। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के साथ-साथ दिखाई पड़ रहा है कि स्वत: स्फूर्त भाव से उत्साह और उमंग लिए हुए हजारों लोगों का अयोध्या आगमन सांस्कृतिक पुनर्जागरण के धीरे-धीरे सशक्त होने का प्रमाण है। या इस बात को प्रमाणित करता है कि जिन लोगों ने अयोध्या में मंदिर तोड़कर मस्जिद बनाने के विरुद्ध तथा राम मंदिर के पुनर्निर्माण के आंदोलन की कल्पना की वे वाकई दूरदर्शी थे। अयोध्या का चित्र बता रहा है कि भारत के आम लोगों ने अपनी भावनाओं और व्यवहार से उन सबको सच्ची श्रद्धांजलि देने की शुरुआत कर दी है।

प्राण प्रतिष्ठा के विरुद्ध बयानों से विवाद करने वालों के बारे में अगर पूछिए तो लोगों की प्रतिक्रिया या तो गुस्से में है या बहुत सारे लोगों के लिए मायने ही नहीं रखता। वास्तव में यह भारत में सांस्कृतिक और आध्यात्मिक क्रांति की लहर जैसी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के पूर्व दक्षिण भारत खासकर तमिलनाडु के उन मंदिरों-धर्म स्थानों का दौरा किया जहां वन यात्रा में रामचंद्र जी गए थे या उनसे जुड़े या उनकी भक्ति से जुड़े हुए हैं। तमिलनाडु से सनातन और हिंदुत्व के विरुद्ध तथा उत्तर दक्षिण को बांटने के स्वर के मध्य तथा प्राण प्रतिष्ठा के पूर्व इस यात्रा के प्रभावों का आकलन करने में थोड़ा समय लगेगा। प्रधानमंत्री की तमिलनाडु यात्रा से उत्तर और दक्षिण का भेद खड़ा करने की चेष्टा का सकारात्मक सांस्कृतिक आध्यात्मिक प्रत्युत्तर मिला है। आम लोगों के लिए इसके कोई मायने नहीं है कि किसे निमंत्रण मिला, किसे नहीं मिला, कौन आए कौन नहीं आए। अयोध्या पहुंचकर आपको लगेगा ही नहीं कि जिन लोगों ने इस पर प्रश्न उठाए या विरोध किया उनका कोई संज्ञान भी लेने को तैयार है।

अयोध्या लंबे समय से आने वाले लोग बता रहे हैं कि हमने कभी कल्पना ही नहीं की थी कि इस तरह का बदला हुआ चित्र हमें दिखाई देगा। श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन में भाग लेने वाले बता रहे हैं कि अगर उस समय सड़कें ऐसी होतीं, खुला वातावरण होता तो 30 अक्टूबर, 1989 और 2 नवंबर, 1989 के गोली चालन में उतनी संख्या में कारसेवक नहीं मारे जाते। लेकिन न भागने का स्थान और न बचने का। अयोध्या आंदोलन के प्रभावी होने और भारी संख्या में लोगों के लगातार पहुंचते रहने के बावजूद केंद्र और राज्य की सरकारों ने कभी भी यहां सड़कों और आम जनता की सुविधाओं के निर्माण की दृष्टि से काम किया ही नहीं। इस नाते भी यह बदली हुआ अयोध्या है। आज यह इतनी अंतर्शक्ति पा गया है कि संपूर्ण भारत की मानसिक चेतना को बदलने का आधार साबित हो सकता है।

जब आपके लक्ष्य छोटे हो तो फिर छोटे स्तर से विचार करते हैं किंतु लक्ष्य बड़े हों तो आपके विचार का की परिधि भी व्यापक हो जाती है। अगर भारत के लंबे भविष्य की दृष्टि से काम करना हो तो ऐसे अवसरों पर कोई विरोधी और दुश्मन नहीं हो सकता। इसीलिए प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में विरोधियों को भी आमंत्रित किया गया। यहां तक कि मुकदमे के विरोधी पक्षकारों को भी आमंत्रित किया गया। उनमें कुछ शामिल भी हुए हैं। जैसा पूरे देश को पता है विपक्षी दलों को भी आमंत्रित किया गया था। लेकिन समस्या यह थी कि संपूर्ण अयोध्या आंदोलन के दौरान जिन दलों और नेताओं ने इसका विरोध किया उनको प्राण प्रतिष्ठा समारोह में आने के लिए कोई न कोई तार्किक आधार चाहिए था। वह मिलना संभव नहीं था। अयोध्या में आम आदमी की भाषा यही है कि विरोधी किस मुंह से प्राण प्रतिष्ठा में आते। अपने दुर्भाग्य से भाजपा और मोदी विरोधी राजनीतिक पार्टियां, बुद्धिजीवी और मीडिया के भी कुछ पुरोधाश्रीराम मंदिर से पैदा हुए भारत के सकारात्मक बदलावों को अभी भी समझने की कोशिश नहीं कर रहे। भारत का मूल धर्म ट अध्यात्म रहा है। हमारे प्राचीन मनीषियों ने इसे पहचाना था।गांधी जी ने कहा है कि धर्म ऐसा क्षेत्र है जिसमें भारत दुनिया में बड़ा हो सकता है। वास्तव में धर्म भारत के डीएनए में है । जो आपका मूल संस्कार होता है उसे जागृत कर दिया जाए तो फिर वह उच्चता को प्राप्त करता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ परिवार तथा दूसरे धार्मिक सांस्कृतिक आध्यात्मिक संगठनों - समूहों ने लंबे समय तक काम करके भारत की सोई हुई धार्मिक आध्यात्मिक चेतना की जागृति में भूमिका निभाई है। चाहे वह सोमनाथ का पुनर्निर्माण हो, अयोध्या आंदोलन या लंबे समय से चल रहे दूसरे मंदिरों के पुनरुद्धार का आंदोलन या फिर हिंदुत्व और हिंदू धर्म की नए सिरे से प्राचीन विरासत के आधार पर व्याख्या करने, इतिहास का पुनर लेखन, राष्ट्र की परिभाषा अपनी सही सोच से निर्धारित करने.. सब इसी दिशा के कदम हैं। स्वाभाविक ही इन सबका प्रभाव हुआ है और यह इस समय समग्र रूप में अयोध्या में दिख रहा है। यहां सामान्य लोग कहते हुए मिल जाएंगे कि हमको तो इतिहास गलत बताया गया। कल्पना करिए जिस व्यक्ति ने दसवी तक की भी शिक्षा प्राप्त नहीं की वह इतिहास और संस्कृति की बात कर रहा है।

किसी भी राष्ट्र के जीवन में इस तरह उसकी संस्कारगत चेतना और जागृति सुखद और अच्छे भविष्य का ही द्योतक हो सकता है। इसका एक परिणाम हमें राजनीति में प्रलक्षित हुआ जो आगे और सशक्त व घनीभूत होने का संकेत दे रहा है। निश्चित रूप से अगर देश की जनता इतनी बड़ी संख्या में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा अन्य नेताओं पर विश्वास कर बाहर निकली है तो इन नेताओं के साथ पार्टी नेताओं और इस समय उनके पीछे खड़े संगठनों का भी उत्तरदायित्व बढ़ जाता है। उन सबको इस बदलाव को गहराई से महसूस करते हुए इसे सकारात्मक दिशा देकर आगे पूर्णता तक ले जाने के लिए कठोर परिश्रम करना होगा। इस तरह का आंदोलन या क्रांतियां बगैर परिश्रम और बलिदान के पूर्णता की ओर नहीं पहुंचती। लोगों का भी दायित्व है कि वो इसे समझते हुए अभी लंबे समय तक इस दिशा में परिश्रम करने और भारत को उस स्थान पर ले जाने की फ्री से सतत परिश्रम करें जहां हमारी पहचान अयोध्या जैसे स्थानों से तथा श्रीराम जैसे व्यक्तित्व से हो ताकि संपूर्ण विश्व इससे प्रेरणा ले सके और हमें सम्मान की दृष्टि से देखे। भारत और यहां के लोगों का गौरवबोध और हर दृष्टि से सशक्त व संपन्न होने का रास्ता यहीं से निकालता है।

नजरिया

विश्व भूमि पर अब भगवान राम का आदर्श करेगा राज

आचार्य विष्णु हरि
मोबाइल : 9315206123

भगवान राम मोह माया से मुक्त हैं, उनको कोई लालच या फिर आकर्षण भी पराजित नहीं कर पाता है। इसका उदाहरण तो सोने की लंका है। रावन पर विजय प्राप्त करने के बाद सोने की लंका पर भी भगवान राम का वैभव स्थापित हो गया था। सोने की लंका का वैभव और समृद्धि देख कर लक्ष्मण मोह और आकर्षण के फांस में फंस गये थे, कहने लगे थे कि भइया अयोध्या क्यों जाना है, इस सोने की लंका का ही उपभोग करते हैं, यही पर अपना राज स्थापित कर देते हैं, हर्ष से यही पर शासन चलायेंगे।

अयोध्या में प्रतीक्षित रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान संपन्न हो गया। अब भगवान श्रीराम का वैभव और संस्कृति दुनिया के लिए प्रेरणा की स्रोत बनेगी। कोई एक दो वर्ष नहीं बल्कि पूरे पांच सौ वर्ष की प्रतीक्षा के बाद यह इच्छा और सपना पूरा हुआ है। न जाने कितने संघर्ष हुए, कितने बलिदान हुए और कितनी तपस्या हुई। गोलियां भी खायी, जेल भी गये, अपना घर-बार भी स्वाहा किया पर भगवान राम के प्रति समर्पण और भक्ति की कमी नहीं आयी। मां-पिता के दोनों बेटे यानी कोठारी बंधु मुलायम सिंह सरकार की गोलियों का शिकार होकर बलिदान हो गये फिर भी कोठारी बंधुओं के माता-पिता ने आह तक नहीं भरी थी, सिर्फ इतना ही नहीं बल्कि बलिदान हुए कोठारी बधुओं के माता-पिता अगली कारसेवा में पूरे आत्म विश्वास और समर्पण के साथ खडे थे, ऐसी कहानियां सिर्फ कोठारी बंधुओं के परिवार की नहीं थी बल्कि ऐसी कहानियां हजारों-लाखों बलिदानी कारसेवकों की थी जो विभिन्न काल खंड में भारतीय पुलिस, मुगलकालीन और अंग्रेज काल की पुलिस की गोलियों का शिकार होकर बलिदान हो गये थे, विरोधी और विधर्मी विचारधारा की लाठियों और हथियारों का शिकार होकर बलिदान होने वालों की संख्या भी कम नहीं थी।

ऐसा इतिहास और ऐसी बलिदानी कहानियां किसी अन्य देश यानी पूरे विश्व में नहीं मिलते हैं। विडम्बना यह रही कि अपनी जन्म भूमि पर स्थापित होने के लिए इतना लंबा संघर्ष, बलिदान और समर्पण का मार्ग तय करना पडा। संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने ठीक ही कहा है कि तुष्टिकरण की नीति के कारण इतनी प्रतीक्षा और इतना बलिदान करना पड़ा। तुष्टिकरण करने वाले लोग पराजित हो गये, हाशिये पर खडे हो गये, उनकी शेखी निपट गयी, उनका कुतर्क और असभ्य मानसिकताएं संहारा को प्राप्त हुई। आखिर जीत तो सत्य की ही होती है, निष्ठा और समर्पण की होती है, असत्य, कुतर्क और गढी हुई मानसिकताएं अनिवार्य रूप से पराजित होती हैं।

करिश्मा और चमत्कार भी पराजित हो गया। जितने अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा का ऐतिहासिक समारोह के साक्षी थे उससे लाखों और करोड़ो गुना लोग तो देश-दुनिया के मंदिरों में समर्पित और भागीदारी बने। कोई हजारों किलोमीटर दूर से दंडवत कर आया तो कोई पैदल चलकर आया, उनके लिए ठंड और संकट भी रोडा नहीं बन पाया। नेपाल से बैलगाडियों का काफिला आया तो बिहार से राम आयेंगे-आयेंगे का गीत गाती और झूमती हुई महिलाएं और बच्चे आये। बिहार और नेपाल के लोग मइया सीता को अपनी लक्ष्मी मानते हैं और भगवान राम को दामाद। इजयराल का शुभकामना संदेश आया। अमेरिका-ब्रिटेन के कई शहर राम मय हो गये। अमेरिका-ब्रिटेन के मंदिरों में हुए कार्यक्रम तो राम के आदर्श और विरासत की नयी कहानी ही लिखी है। दुनिया के दर्जनों देशों में प्राण प्रतिष्ठा समारोह का सीधा प्रसारण हुआ। भारत और नेपाल के घरों-धरों में भगवान राम की पूजा ही नहीं हुआ बल्कि भगवान की यश गाथा भी गाया गया। कितने लोग साक्षी बने और कितने लोग अप्रत्यक्ष जुडे इसकी कोई संख्या निर्धारित नहीं की जा सकती है। यह संख्या अरबों को भी पार कर सकती है।

यह सिर्फ प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम नही था बल्कि भारत की पुरातन संस्कृति और सभ्यता की पुर्नस्थापना भी थी। भारत की संस्कृति और सभ्यता राम की है, सनातन की है। राम का अर्थ सत्य होता है और सनातन का अर्थ भी सत्य होता है। राम और सनातन का मेरूदंड वसुधैव कुटुम्बकम है। वसुधैव कुटुम्बकम का अर्थ मानव कल्याण और सहयोग में निहित है, दुनिया एक परिवार है, एक दर्शन है जो सभी जीवित प्राणियों के बीच एकता और सांमजस्य को बढावा देता है, दया और करूणा की समझ को प्रोत्साहित करता है, सभी वस्तुएं परामात्मा की थाथी हैं, सभी का आधार परमात्मा है, प्राणियों का जीवन पवित्र है, वस्तुओं का उद्देश्य कल्याणी कारी हैं। ऐसी सोच विलक्ष्ण है और अद्वितीय है तथा प्रेरणा के प्रतीक है।

राममंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समारोह ने दुनिया के लिए कोई संदेश दिया है क्या? क्या राम का संदेश और व्यक्तित्व दुनिया को संघर्ष और युद्ध तथा बेकारी और गरीबी से मुक्त कर सकती है? क्या आधुनिकता की शैली आयी अपस्कृति और अमान्य मानसिकताओं से भी मुक्त कर सकती है? सही यही है कि भगवान राम का व्यक्तित्व पूरी दुनिया के लिए प्रेरणा और सदभाव का प्रतीक है। भगवान राम का व्यक्तित्व किसी पर आधिपत्य नहीं जमाती है, किसी को तुच्छ नहीं समझती है। कोई भी राम का दर्शन स्वीकार करने या फिर अस्वीकार्य करने के लिए स्वतंत्र है। भगवान राम मोह माया से मुक्त हैं, उनको कोई लालच या फिर आकर्षण भी पराजित नहीं कर पाता है। इसका उदाहरण तो सोने की लंका है। रावन पर विजय प्राप्त करने के बाद सोने की लंका पर भी भगवान राम का वैभव स्थापित हो गया था। सोने की लंका का वैभव और समृद्धि देख कर लक्ष्मण मोह और आकर्षण के फांस में फंस गये थे, कहने लगे थे कि भइया अयोध्या क्यों जाना है, इस सोने की लंका का ही उपभोग करते हैं, यही पर अपना राज स्थापित कर देते हैं, हर्ष से यही पर शासन चलायेंगे। यह सुनकर भगवान राम कहते हैं कि लक्ष्मण यह कहते क्या हो, ऐसा भाव तुम्हारे अंदर कैसे आया, मेरे लिए तो वही अपना अयोध्या प्यारा है, मेरे लिए अयोध्या के जंगल प्यारे हैं, अयोध्या की सरयू नदी प्यारी है, हमारे लिए अयोध्या की जनता ही प्यारी है, मेरे लिए भाई भरत ही प्यारा है जो मेरे आश में दुखी है, मुझे एक पल भी इस सोने की लंका में नहीं रहना है, जल्दी अयोध्य पहुंचना है। जब भगवान राम के इस आदर्श पर दुनिया चलेगी तो फिर न युद्ध होगा, न संसाधनों की लूट होगी ,न बराबरी के सिद्धांत का संहार होगा फिर तो दुनिया का जीवन सुखमय कैसे नहीं होगा?

अब दुनिया अपनी सोच बदलने के लिए प्रेरित होगी। कभी हमारी संस्कृति और सभ्यता को सिर्फ सांप-सपेरे की संस्कृति और सभ्यता करार देते थे। खिल्ली भी इसी आधार पर जमकर उडाते थे। लेकिन इसी सांप और सपेरे की संस्कृति ने दुनिया को बार-बार चमत्कृत किया है, मुक्ति का रास्ता दिया है, विकास का मंत्र दिया है। क्या कोई स्वामी विवेकानंद को भूल सकता है? स्वामी विवेकानंद ने दुनिया को भारतीय संस्कृति की महानता और समृद्धि दिखायी थी, भाइयों और बहनों के शब्द में समानता और गर्व का पाठ पढाया था। दुनिया के आक्राताओं ने हमारी संस्कृति और सभ्यता को नष्ट करने की अंसख्य कोशिशें की थी, बार-बार आक्रमण किये थे, हमारी विरासत को रौंदा था, हमारे गौरव के स्थानों और प्रतीकों का संहार किया था।

नालंदा और तक्षशीला जैसे ज्ञान-विज्ञान के महानतम और अद्धितीय विरासत को रौंदा गया। नालंदा विश्वविद्यालय में पढने वाले दस हजार से अधिक गुरूकुल छात्रों की हत्या की गयी, लाखों हस्तलिखित पुस्तकों को जलाया गया। फिर भी हम नष्ट को प्राप्त नहीं हुए और न ही हमारी सनातन संस्कृति अस्तित्वहीन हुई। आज ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र पर हमारा पचरम लहरा रहा है। शुन्य और दश्मलव की समृद्धि हमारी है। हम चांद पर पहुंच कर शौर्य प्रदर्शन कर रहे हैं। हमने कोरणा काल मे गरीब देशों को मुफ्त टीका देकर वसुधैव कुटुम्बकम के सिद्धांत को विश्व भूमि पर उतार दिया था। आज पूरी दुनिया में भारतीय ज्ञान-विज्ञान का डंका बज रहा है। अब फिर से भगवान राम का आदर्श और कल्याण से दुनिया लाभकारी महसूस करेगी, मोक्ष और मुक्ति की प्राप्ति के लिए दुनिया भारत की ओर दृष्टि लगायेगी। फिर भी विधर्मी संस्कृति के लोग नकरात्मक दृष्टि नहीं छोडते हैं। विधर्मी संस्कृति के लोग अपने विरोध की अग्नि में ही जलकर राख हो जायेंगे। जब दुनिया भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा से चमत्कृत हो रही है, राममय हो रही है तो फिर विधर्मियों के विरोध कहां ठहरेगा, कौन सी भूमिका तय करेगी? विश्व भूमि पर भगवान राम का आदर्श स्थापित हो गया। इसका श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जाता है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अमेरिका : देशभर के मंदिरों और संस्थाओं ने राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह का उत्सव मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन। अमेरिका में सैकड़ों की संख्या में मंदिरों और सामुदायिक संस्थाओं ने सोमवार को अयोध्या में 'राम लला' की प्राण प्रतिष्ठा का उत्सव मनाने के लिए न्यूयॉर्क के प्रतिष्ठित टाइम्स स्क्वायर सहित विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए। अमेरिका की विश्व हिंदू परिषद ने रविवार को यहां पूरे देश में मुख्य कार्यक्रम आयोजित किए। वहीं समुदाय के कई सदस्य इस ऐतिहासिक कार्यक्रम के लिए न्यूयॉर्क के प्रतिष्ठित टाइम्स स्क्वायर पर इकट्ठा हुए। उन्होंने आने-जाने वाले लोगों को लड्डू बांटे। साथ ही टाइम्स स्क्वायर की स्क्रीन पर अयोध्या के राम मंदिर की तस्वीरें और दृश्य भी प्रदर्शित किये गये। वाशिंगटन में वर्जीनिया के फेयरफैक्स काउंटी में स्थित एसवी लोटस टेम्पल में सिख, मुस्लिम और पाकिस्तानी अमेरिकी समुदाय के लोग भी इस समारोह में शामिल हुए। उनका कहना है कि यह पूरे समुदाय के लिए खुशी मनाने का क्षण है और यह एक सपने के सच होने जैसा है।

'सिख ऑफ अमेरिका' संगठन के सदस्य जस्सी सिंह ने कहा, यह एक बहुत ही खुशी का मौका है। सिंह ने कहा, सिख समुदाय और 'सिख ऑफ अमेरिका' की ओर से मैं भारत में श्रीराम मंदिर के उद्घाटन के इस खुशी के अवसर पर अपने हिंदू भाइयों और बहनों को शुभकामनाएं देता हूं। हम सभी समुदाय सिख, हिंदू, मुस्लिम और ईसाई यहां इस खुशी के मौके पर जश्न मना रहे हैं। 'मुस्लिम ऑफ अमेरिका' संगठन के सदस्य और पाकिस्तानी अमेरिकी साजिद तरार भी वर्जीनिया के एसवी लोटस टेम्पल में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कहा, मैं यहां शांति और सद्भाव का संदेश लेकर आया हूं। हम वर्षों से उपमहाद्वीप में एक साथ रह रहे हैं लेकिन आज हमारे बीच बहुत सारे मतभेद पैदा हो गये हैं। मुझे लगता है कि अब आगे बढ़ने का समय आ गया है।

पटना में सोमवार को अयोध्या राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर एक अस्पताल में नवजात शिशु।

अफगानिस्तान में रूस का एक निजी विमान दुर्घटनाग्रस्त : चार लोग बचाए गए, दो की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इस्लामाबाद। अफगानिस्तान में सप्ताहांत को छह लोगों को लेकर जा रहा रूस का एक निजी विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में सवार चार लोगों को बचा लिया गया जबकि दो की मौत हो गयी। अफगानिस्तान में सत्तारूढ़ तालिबान ने सोमवार को यह जानकारी दी।

अफगानिस्तान की राजधानी काबुल से करीब 250 किलोमीटर दूर बदख्शां प्रांत के एक पर्वतीय क्षेत्र में शनिवार को यह हादसा हुआ था। उसके बाद बचाव दल इस सुदूर ग्रामीण क्षेत्र में भेजे गये थे जहां महज कुछ हजार लोग रहते हैं। तालिबान के मुख्य प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर वीडियो पोस्ट किया जिसमें हादसे के बाद बचाये गये चालक दल के चार सदस्य नजर आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन चारों का प्राथमिक उपचार किया गया और उन्हें बदख्शां से काबुल लाया जा रहा है। मुजाहिद के मुताबिक चारों की सेहत ठीक है। बदख्शां के स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि हादसे में जान गंवाने वाले दो लोगों के शव दुर्घटनास्थल से बरामद कर लिये जायेंगे । तालिबान ने हादसे में हताहत हुए किसी भी व्यक्ति की पहचान नहीं बतायी है ।

तालिबान के परिवहन एवं नागर विमानन मंत्रालय ने एक ऑनलाइन बयान में बताया कि दुर्घटनाग्रस्त विमान अरूज कोह पर्वत के समीप कुफ अब जिले में पाया गया। रविवार को तालिबान के सूचना एवं संस्कृति मंत्रालय के प्रवक्ता अब्दुल वाहिद रयान ने इस हादसे की वजह 'इंजन में गड़बड़ी' बतायी । हालांकि उन्होंने इसे स्पष्ट नहीं किया। मास्को में रूसी नागर विमानन अधिकारियों ने बताया था कि 1978 दसॉल्ट फाल्कन-10 विमान लापता हो गया जिसमें चालक दल के चार सदस्य एवं दो यात्री सवार थे। उन्होंने बताया कि रूस में पंजीकृत इस विमान से संपर्क टूट गया और यह रडार स्क्रीन से गायब हो गया। उसने बताया कि इस विमान ने थाईलैंड के यू-तपाओ-रयोंग -पट्टाया अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी। यह विमान गया (भारत) से उज्बेकिस्तान के ताशकंद के मार्ग पर चार्टर एंबुलेंस के तौर पर संचालित किया जा रहा था और उसका अगला गंतव्य मास्को के झुकोवस्की अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे था। रूसी अधिकारियों ने बताया कि यह विमान एथलेटिक समूह एलएलसी और एक निजी व्यक्ति का था। एसोसिएटेड प्रेस (एपी) का फिलहाल विमान के मालिकों से प्रतिक्रिया के लिए संपर्क नहीं हो सका है।

किरण राव की फिल्म 'लापता लेडीज' के कॉमेडी से भरपूर ट्रेलर की मिलेगी झलक

मुंबई/वार्ता

किरण राव मच अवेटेड फिल्म 'लापता लेडीज़' के साथ निर्देशन की दुनिया में लौट रही हैं। इस फिल्म की घोषणा के बाद से ही फैन्स और दर्शकों के बीच देखने लायक उत्साह है और जिसे टीज़र के साथ मेकर्स ने और बढ़ा दिया। टीज़र ने प्रतिभा रांटा, स्पर्श श्रीवास्तव और नितांशी गोयल जैसे बेतरीन एक्टर्स की टोली के साथ फिल्म की दुनिया के धमाकेदार कॉमेडी की झलकियों से सभी को प्रभावित किया है। ऐसे में लोगों को अब फिल्म के ट्रेलर का इंतज़ार हैं। और एक धमाकेदार अपडेट में पता चला है कि किरण राव द्वारा निर्देशित आमिर खान प्रोडक्शंस की लापता लेडीज़ का ट्रेलर एक्सक्लूसिवली सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बनी एरियल एक्शन ड्रामा फाइटर की रिलीज के साथ थ्रिएटर्स में अटैच होगा।

आमिर खान प्रोडक्शंस की फिल्में हमेशा बड़े पर्दे के अनुभव के लिए जानी जाती हैं और इसी को ध्यान में रखते हुए निर्देशक किरण राव ने फिल्म फाइटर के अपनी फिल्म के ट्रेलर को दिखाने का फैसला किया है ताकि जनता को बड़े पर्दे पर फिल्म की दुनिया का अनुभव मिल सके।

जियो स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत, 'लापता लेडीज' किरण राव द्वारा निर्देशित और आमिर खान और ज्योति देशपांडे द्वारा निर्मित है। यह फिल्म आमिर खान प्रोडक्शंस और किंडलिंग प्रोडक्शंस के बैनर तले बनाई गई है, जिसकी स्क्रिप्ट बिप्लब गोस्वामी की अवॉर्ड विनिंग कहानी पर आधारित है। फिल्म का स्क्रीनप्ले और डायलॉग स्नेहा देसाई द्वारा लिखे गए हैं, जबकि बाकी डायलॉग को दिव्यनिधि शर्मा द्वारा लिखे गए हैं। यह फिल्म 1 मार्च 2024 को रिलीज के लिए पूरी तरह तैयार है।

राहुल की न्याय यात्रा पर बोलीं स्मृति ईरानी

बरसात आने पर बाहर निकल आते हैं मेंढक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमेठी। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' पर निकले पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी पर सोमवार को हमला करते हुए उनकी तुलना 'बरसाती मेंढक' से कर दी। अपने संसदीय निर्वाचन क्षेत्र अमेठी के दौरे पर आई स्मृति ईरानी ने संवाददाताओं से बातचीत में राहुल गांधी की न्याय यात्रा को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में उन पर तंज करते हुए कहा, जब बरसात आती है तो छोटे-छोटे मेंढक निकल आते हैं। उसी तरह अब चुनाव आ रहा है तो लोग आयेंगे और जायेंगे। उन्होंने कहा कि बरसात जाते ही यह मेंढक गायब हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव आ रहा है तो यह लोग आए हैं और उसके बाद चले जाएंगे।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 14 जनवरी से मणिपुर से भारत जोड़ो न्याय यात्रा शुरू की है। उनकी यह यात्रा उत्तर प्रदेश से भी गुजरेगी और महाराष्ट्र में संपन्न होगी। स्मृति ने अयोध्या स्थित राम मंदिर में विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा का जिक्र करते हुए कहा, आज राम भक्तों के लिए ऐतिहासिक दिन है। लगभग 500 साल तक राम भक्तों ने धैर्य दिखाया। जिन भक्तों ने धैर्य और मर्यादा का प्रमाण दिया मैं उनको प्रणाम करती हूं। आज राम भक्तों का सपना साकार हो रहा है। कांग्रेस के अयोध्या के राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल नहीं होने से जुड़े एक सवाल पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जिसकी जैसी मति है वैसा ही उसका कर्म।

ताइवान ने अपने हवाई क्षेत्र में छह चीनी गुब्बारे उड़ने का दावा किया

ताइपे। ताइवान ने सोमवार को कहा कि छह चीनी गुब्बारे द्वीप के ऊपर से या उसके उत्तरी हवाई क्षेत्र से होकर उड़े हैं और क्षेत्र में चीनी युद्धक विमानों और नौसैनिक जहाजों का भी पता चला है। यहां अक्सर ऐसे गुब्बारे नजर आते हैं। ये आम तौर पर पूर्वी प्रशांत क्षेत्र में गायब हो जाते हैं।

इन गुब्बारों के उद्देश्यों के बारे में सार्वजनिक रूप से कुछ नहीं कहा गया है। रक्षा मंत्रालय ने ताइवान के आसपास के जल और हवाई क्षेत्र में चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी की गतिविधियों की कड़ी में गुब्बारे देखे जाने का उल्लेख किया। मंत्रालय के अनुसार, एक गुब्बारा दक्षिणी शहर पिंगटुंग के पास से गुजरा, जबकि अन्य कीलुंग बंदरगाह के उत्तर में देखे गए, जहां ताइवान का एक महत्वपूर्ण नौसैनिक अड्डा है।

यूक्रेन के दोनेत्स्क में हमले में 27 लोग मारे गए

कीव। रूस के कब्जे वाले शहर दोनेत्स्क के बाहरी इलाके में एक बाजार में रविवार को यूक्रेन की गोलाबारी में कम से कम 27 लोग मारे गए और 25 घायल हो गए। मॉस्को के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। स्थानीय नेता डेनिस पुशिलिन ने बताया कि उपनगर टेकस्टिल्शचिक में घायल हुए लोगों में दो बच्चे भी शामिल हैं। कीव में यूक्रेनी अधिकारियों ने घटना पर कोई टिप्पणी नहीं की है और ना ही इन दावों को एसोसिएटेड प्रेस द्वारा स्वतंत्र रूप से सत्यापित किया गया है।

संयुक्त राष्ट्र के एक प्रवक्ता ने कहा कि विश्व निकाय यूक्रेन के दोनेत्स्क शहर में आज की गोलाबारी सहित नागरिकों और नागरिक बुनियादी ढांचे के खिलाफ सभी हमलों की निंदा करता है।

उन्होंने कहा कि ऐसे सभी हमले अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के तहत प्रतिबंधित हैं। दोनेत्स्क यूक्रेन के उन चार क्षेत्रों में से एक है जिस पर रूस ने युद्ध शुरू के कुछ महीनों के बाद 2022 में अवैध रूप से कब्जा कर लिया था।

जश्न

नई दिल्ली में सोमवार को फेडरेशन ऑफ सदर बाजार ट्रेड्स एसोसिएशन (पंजीकृत) के अध्यक्ष परमजीत सिंह पम्मा और अन्य लोग टूटी चौक पर अयोध्या में रामलला के 'प्राण प्रतिष्ठा' समारोह का जश्न मनाते हुए।

राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने पहुंचे अमिताभ, चिरंजीवी सहित कई सितारे

नयी दिल्ली/भाषा

अमिताभ बच्चन, चिरंजीवी तथा आलिया भट्ट-रणबीर कपूर और विक्की कौशल-कैटरीना कैफ सहित भारतीय सिनेमा के कई सितारे सोमवार को राम मंदिर में भगवान राम के बाल स्वरूप के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा संबंधी समारोह में शामिल होने के लिए अयोध्या पहुंचे। फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी, राजकुमार हिरानी, अभिनेता आयुष्मान खुराना, माधुरी दीक्षित नेने तथा उनके पति श्रीराम नेने और फिल्म निर्माता महावीर जैन भी इस भव्य कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए भारतीय फिल्म उद्योग के दल के साथ मंदिर शहर अयोध्या पहुंचे। हेमा मालिनी, रजनीकांत, पवन कल्याण, शंकर महादेवन, मधुर भंडारकर, सुभाष घई, शेफाली शाह, विपुल शाह, रणदीप हुडा तथा उनकी पत्नी लिन लैशराम, आदिनाथ मंगेशकर, अनु मलिक और सोनू निगम रविवार को ही अयोध्या पहुंच गए थे। अमिताभ बच्चन सोमवार को अपने बेटे एवं अभिनेता अभिषेक बच्चन के साथ मुंबई से अयोध्या के लिए रवाना हुए। अमिताभ मंदिर परिसर में अभिनेता अरुण गोविल के साथ बातचीत करते हुए नजर आए। गोविल ने 1987 के टीवी धारावाहिक 'रामायण' में भगवान राम का किरदार निभाया था।

कार्यक्रम स्थल पर बच्चन परिवार ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद रविशंकर प्रसाद तथा उद्योगपति अनिल अंबानी से भी मुलाकात की। इससे पहले अभिनेता चिरंजीवी को अयोध्या हवाई अड्डे पर एक चार्टर्ड विमान से उतरते हुए देखा गया था। चिरंजीवी के साथ उनकी पत्नी सुरेखा और बेटे एवं अभिनेता राम चरण भी थे। अभिनेता अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो संदेश में समारोह के अवसर पर अपनी शुभकामनाएं दीं। दोनों अभी फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' की शूटिंग कर रहे हैं। टाइगर श्रॉफ के पिता एवं जाने माने अभिनेता जैकी श्रॉफ प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होंगे। मैसूरु के शिल्पकार अरुण योगीराज द्वारा बनाई गई रामलला की नई 51 इंच की मूर्ति को गत बृहस्पतिवार को मंदिर के गर्भगृह में रखा गया था। मंदिर ट्रस्ट के मुताबिक, सभी आमंत्रित लोगों के पास एक घंटी होगी जिसे वे आरती के दौरान बजाएंगे। आरती के दौरान सेना के हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा की जाएगी। समारोह दोपहर 12 बजकर 20 मिनट पर शुरू होगा और इसके दोपहर एक बजे तक संपन्न होने की उम्मीद है। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समारोह में मौजूद लोगों को संबोधित करेंगे।

अयोध्या में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमिताभ बच्चन और रजनीकांत से मुलाकात की। अयोध्या में श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में कई बड़ी फिल्मी हस्तियां हिस्सा लेने के लिए आयोध्या पहुंचीं। पूरा देश राम के आगमन से आस्था में डूबा है और इस ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बना है। समारोह से लगातार वीडियो और फोटो सामने आ रहे हैं। अयोध्या में रामलला की मूर्ति का प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम संपन्न हो गया है।

इस कार्यक्रम में शिरकत करने अमिताभ बच्चन और रजनीकांत भी पहुंचे। प्राण प्रतिष्ठा के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंदिर परिसर में अमिताभ बच्चन और रजनीकांत से मिले और उनका हाल जाना। तस्वीर में देखा जा सकता है कि प्रधानमंत्री हाथ के इशारे से अमिताभ बच्चन से उनका हालचाल पूछते दिख रहे हैं। वहीं, अमिताभ भी प्रधानमंत्री का अभिनंदन करते दिखे। नरेन्द्र मोदी ने रजनीकांत से भी मुलाकात की। तस्वीर में नरेन्द्र मोदी हाथ के इशारे से रजनीकांत से हालचाल पूछ रहे हैं। वहीं, रजनीकांत हाथ जोड़कर उनका अभिवादन करते नजर आ रहे हैं।

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा की खुशी में कंगना ने लगाया 'श्रीराम' का जयकारा

अयोध्या/वार्ता

बॉलीपुड अभिनेत्री कंगना रनौत अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा पूरी होने पर बेहद खुश है। अयोध्या में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर पूरे देश के साथ ही बॉलीवुड सितारे भी जश्न मना रहे है। बॉलीवुड सितारों ने 500 साल के संघर्ष के बाद राममंदिर में रामलला के प्राण-प्रतिष्ठा पर अपनी खुशी जाहिर की है। इस मौके पर कंगना रनौत ने अयोध्या से अपना एक वीडियो भी शेयर किया है। इस वीडियो में कंगना रनौत मंदिर परिसर में नजर आ रही हैं। वीडियो में देखा जा सकता हैं कि जैसे ही भगवान श्रीराम की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा होती है, आकाश से हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की जाती है और शंखों की ध्वनि से पूरा माहौल ही बदल जाता है। यह सब देख कंगना खुशी से झूम उठती हैं और जोर-जोर से जय श्रीराम के जयकारे लगाने लगती हैं। इस वीडियो को कंगना के सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर शेयर किया गया है।वीडियो शेयर करते हुए कंगना ने लिखा,'राम आ गए।कंगना रनौत रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से एक दिन पहले ही अयोध्या पहुंच गई थीं और वहां उन्होंने सभी धार्मिक कार्यक्रमों में हिस्सा लिया था।

यज्ञ में दी भागीदारी

बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत ने सोमवार को सोशल मीडिया पर अयोध्या में एक पवित्र हवन में अपनी भागीदारी की तस्वीरें साझा कीं, जहां वह राम मंदिर के भव्य अभिषेक समारोह में आमंत्रित लोगों में से एक हैं। कंगना ने आध्यात्मिक गुरु स्वामी रामभद्राचार्य के साथ अपनी मुलाकात की भी तस्वीरें पोस्ट कीं। जिन्होंने हवन का आयोजन किया था। हवन एक हिंदू अनुष्ठान है जहां पवित्र अग्नि में आहुतियां दी जाती हैं। कंगना ने अपने इंस्टाग्राम पर पवित्र शहर की छवियों की एक श्रृंखला साझा की। उन्होंने लिखा, आओ मेरे प्रभु, आज मुझे पूज्य श्री रामभद्राचार्य जी से मिलने का सौभाग्य मिला और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। मैंने उनके द्वारा आयोजित विद्वत सामूहिक हनुमान जी यज्ञ में भाग लिया। कंगना ने लिखा, अयोध्या की दिव्य नगरी में, हर चीज़ श्री राम के स्वागत की भावना से भरी हुई है। ....अयोध्या के राजा वनों में लंबे वनवास के बाद घर लौट रहे हैं। आओ, मेरे भगवान, आओ, मेरे भगवान। कार्यक्रम में कंगना ने पारंपरिक साड़ी पहनी हुई थी। अपने पोस्ट में उन्होंने समारोह के प्रति अपना उत्साह और निष्ठा व्यक्त की।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
/dakshinbharat /dakshinbharat
DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जिस प्रकार फूलों में सर्वश्रेष्ठ गुलाब होता है वैसे ही गुरुओं में भी सर्वश्रेष्ठ है गुरु राजेन्द्रसूरीश्वरजी। गुरु का उपकार जिस पर हो जाता है उसका कल्याण हो जाता है। गुरु हमेशा पुण्य से व पुण्यशाली को मिलते हैं और जिसको भी मिलते है उसका जीवन सफल हो जाता है। राजेन्द्र सूरी ने जिनशान के लिए अनेक कार्य किए तथा उन्हें अनेक पदवियों से नवाजा गया परन्तु उन्होंने कभी की पद व पदवी को अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया। राजेन्द्र सूरी एवं सरल व तपस्वी संत थे।

अन्नदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सोमवार को चेन्नई के साहुकारपेट में श्री राजेन्द्र सूरीश्वरजी जैन ट्रस्ट के तत्वावधान में आदिनाथ प्रभु एवं श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या में श्रीरामजी की प्रतिष्ठा के मौके पर अन्नदान किया गया।

पूजा अर्चना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में सोमवार को वेपेरी स्थित अग्रवाल विद्यालय एण्ड जूनियर कॉलेज में मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम, भ्राता लक्ष्मण, माता जानकी एवं पवन पुत्र भक्त हनुमान जी का पूरी श्रद्धा भक्ति व हर्षोल्लास एवं वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पूजा अर्चना की गई एवं दीये जलाए गए। सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संयुक्त सचिव राजेश चाचौरिया संयुक्त पत्राचारक शालिनी अग्रवाल, प्रधानाचार्य विजयलक्ष्मी, सहित प्रधानाचार्यों और अध्यापकों व विद्यार्थियों ने श्रीराम की पूजा में भाग लिया और पूरा प्रांगण राममय हो गया।

श्रीराम पूजाभिषेक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के द्वारका दास गोवर्धनदास वैष्णव कॉलेज में सोमवार को श्रीरामजी का अभिषेकोत्सव हुआ। कॉलेज के सचिव डॉ अशोक कुमार मूँधड़ा और प्राचार्य डॉ एस संतोष बाबू ने श्री राम लला की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में श्री राम का पूर्ण कुंभाभिषेक कर महोत्सव मनाया। अभिषेक एवं शांति होमाम किया गया। 11 आचार्यां की टीम ने पूरा अनुष्ठान करवाया।

राम उत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

यहां चेन्नई के मिंजूर स्थित श्री चंद्रप्रभु जैन कॉलेज ने भगवान महावीर सभागार में अयोध्या से राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा लाइव और विवेकानंद युवा मंच और करुणा क्लब द्वारा भजन आदि प्रस्तुत किए गए। पूजा और भजन में प्राचार्य, विभिन्न विभागों के प्रमुख, संकाय सदस्य और लगभग 100 छात्र शामिल हुए। इस उल्लेखनीय अवसर का जश्न मनाने के लिए राम मंदिर की विशेष टीम द्वारा भजन के साथ दीपा आरती की गई। पूजा के अंत में सभी विद्यार्थियों को प्रसाद वितरित किया गया।

राम उत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तिरुपुर में दादी परिवार के सान्निध्य में राणी सती दादी का मंगल पाठ एवं अयोध्या में श्री राम लला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर भजन संकीर्तन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रामलला की झांकी बनाई गई। इस मौके पर दादी परिवार की अध्यक्ष शिला शाह सहित अनेक पदाधिकारी सरोज पत्ती, सुमन गुप्ता, मघु चौधरी, वीरा कामदार, प्रभा तोदी आदि उपस्थित थे। इस मौके पर रंगोली भी बनाई गई।

राम उत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के माधावरम् के जैन तेरापंथ नगर की महिला मंडल ने तातटान कुलम रोड स्थित हनुमान मंदिर में जाकर पूजा अर्चना की। श्रीराम के जयघोषों के साथ फूलों की बरसात कर उत्सव मनाया। सभी ने दिए प्रज्ज्वलित किए।

अन्ना आदर्श कॉलेज फॉर वुमेन में दीक्षांत समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां पंजाब एसोसिएशन के अन्ना आदर्श कॉलेज फॉर वुमेन, अन्ना नगर का 35वां दीक्षांत समारोह सोमवार को दो सत्रों में आयोजित किया गया। पहले सत्र की अध्यक्षता पश्चिम बंगाल राज्य के पूर्व राज्यपाल एमके नारायणन ने की और दूसरे सत्र की अध्यक्षता मद्रास विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रोफेसर डॉ. एस एलुमलाई ने की। कॉलेज की वार्षिक रिपोर्ट प्राचार्य डॉ. आर. शांति द्वारा प्रस्तुत की गई। दीक्षांत समारोह के संबोधन में एमके नारायणन ने राष्ट्र के समग्र विकास के लिए महिला सशक्तिकरण के महत्व पर जोर दिया और डॉ. एलुमलाई ने कैरियर भागीदारी और वित्तीय स्वतंत्रता में शिक्षित महिलाओं की उपलब्धि के बारे में बात की।

मुख्य अतिथि द्वारा रैंक धारकों के लिए डिग्री प्रमाण पत्र और पदक वितरित किए गए। इस स्नातक दिवस पर, 76 विश्वविद्यालय रैंक धारकों को पदक से सम्मानित किया गया और कुल 1787 छात्रों को उनके डिग्री प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया, जो 15 यूजी, 9 पीजी और 3 एम.फिल विभाग से संबंधित थे। समारोह में प्रबंधन सदस्यों, पंजाब एसोसिएशन, प्रिंसिपल, उप-प्रिंसिपल, डीन, एचओडी, संकाय सदस्यों के साथ-साथ स्नातकों के अभिभावक की उपस्थिति मौजूद थी।

लड्डू वितरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में आरवाईए मेट्रो फूड बैंक ने सोमवार को अयोध्या में भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर विशेष रूप से तैयार 8 हजार लड्डुओं का वितरण किया। पश्चिम माम्बलम में श्री राम समाज अयोध्या अश्वमेध महा मंडपम के तत्वावधान में महा प्रसादम के साथ लड्डू बांटे गए।

राम पूजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई महानगर के गिंडी स्थित ईकक्कट्टुथांगल में व्यापारियों ने अयोध्या श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का लाइव प्रसारण देखा। भगवान श्रीराम की तस्वीर रखकर पंडित द्वारा पूजा अर्चना करवाई, आरती उतारी। लड्डू बांटे गए। इस मौके पर हिंगलाजदान चारण, भगवान सिंह, गोविन्दसिंह जैतावत, प्रकाश मौर्य, कैलाश प्रजापति, रविकुमार माली, राजेश तिवारी, मणीगण्डन आदि मौजूद रहे।

राम मंदिर प्रतिष्ठा को लेकर विशेष सत्संग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अमृतवाणी सत्संग मंडल परिवार और फलौदी परिवार की तरफ से राम लला प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर सत्संग में सभी ने एक दूसरे को बधाई दी।

सिंधी धर्मशाला में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर सोमवार को विशेष सत्संग का आयोजन किया गया।

गणेश वंदना और गुरु वंदना के बाद भजनों एवं सरस्वती वंदना के साथ अमृतवाणी पाठ और हनुमान चालीसा का पाठ हुआ।

सभी भक्तों ने सामूहिक रूप से पाठ किया। इस अवसर पर दीपक जलाए गए। फूलों की वर्षा की गई। सभी भक्तों को प्रसादी बाटी गई।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

रजत द्वारा चार राजस्थानी विभूतियाँ 'राजस्थान श्री' से अलंकृत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। राजस्थानी एसोसिएशन तमिलनाडु (रजत) द्वारा रविवार को म्युजिक अकादमी के परिसर में एक विशेष समारोह में सामाजिक सेवा, साहित्य और व्यवसाय के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रवासी राजस्थानियों को 'राजस्थान श्री' पुरस्कार से सम्मानित किया। समारोह की शुरुआत गीत संगीत की प्रस्तुति से हुई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बलडोटा ग्रुप ऑफ कम्पनीज के प्रमुख एवं प्रबंध निदेशक और जीतो एपेक्स के पूर्व अध्यक्ष डॉ. नरेंद्रकुमार ए. बलडोटा, तथा विशिष्ट अतिथि इंटलेक्ट डिज़ाइन अरेना लिमिटेड, संस्थापक अध्यक्ष अरुण जैन ने दीप जलाकर शुभारंभ किया। रजत के अध्यक्ष एन.मोहनलाल बजाज ने मुख्य अतिथि और सम्मानित अतिथि, पूर्व अध्यक्षों, विशेष आमंत्रितों का स्वागत किया। उन्होंने राजस्थान श्री पुरस्कार विजेताओं को भी बधाई दी और विभिन्न क्षेत्रों में समाज के लिए उनके प्रयासों की सराहना की।

महासचिव देवराज आच्छा ने अपनी सचिवीय रिपोर्ट में एसोसिएशन की गतिविधियों की जानकारी बड़े पर्दे पर आडियो वीडियो के माध्यम से दी। मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि का परिचय आड़ियो विजुअल प्रस्तुति द्वारा दिया गया। अवार्ड समिति के चेयरमैन राजस्थानरत्न के. सुभाषचंद रांका ने पुरस्कार विजेताओं के चयन के बारे में जानकारी दी।

समाजसेवा व पेशे के क्षेत्र में गौरीशंकर राठी को, समाज सेवा के क्षेत्र में मंगलचन्द तातेड़ को एवं एम. रिखबचन्द बोहरा को तथा साहित्य के क्षेत्र में डॉ. दिलीप धींग को 'राजस्थान श्री' की पदवी दी गई।

अतिथियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में चयन समिति सहसंयोजक चंद्रप्रकाश मालपानी, निर्वाचित अध्यक्ष प्रवीण कुमार टाटिया, कोषाध्यक्ष गौतमचंद डागा, सह कोषाध्यक्ष अशोक लखोटिया तथा पूर्व अध्यक्षगण उपस्थित थे।

संयुक्त सचिव अजय नाहर ने सजावट एवं सह सचिव ज्ञानचंद कोठारी ने आडियो वीडियो प्रस्तुति में सहयोग दिया। धन्यवाद ज्ञापन चयनित अध्यक्ष प्रवीण टांटिया ने दिया। संचालन प्रिया करनानी ने किया। कार्यक्रम में शांतिलाल कांकरिया, इन्दरचंद छाजेड़, दिलीप बोहरा, गौतमचंद नाहर आदि का सहयोग सराहनीय रहा।

सुन्दरकांड पाठ के बाद किए रामलला के दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई के मन्नड़ी में सुन्दरकांड समिति द्वारा अयोध्या में भव्य राम लला की प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर सुन्दर कांड पाठ का आयोजन किया गया। बाजार के व्यापारियों के सहयोग से सुन्दरकांड हुआ और उसके उपरांत बड़ी स्क्रीन पर अयोध्या से मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का सीधा प्रसारण किया गया।

भगवान श्री राम के दर्शन के उपरांत प्रसाद की व्यवस्था की गई।

मंडल के सदस्य नरेश मकवाना ने बताया कि कार्यक्रम में नारायण तापड़िया, गणेश चौधरी, शिवलाल, बबलू पांडे, पाठक, बाबूलाल चौधरी, चुनीलाल चौधरी, हरिराम भायल, प्रकाश चौधरी, दिनेश करनानी, जय प्रकाश तापड़िया, प्रवीण तापड़िया, महेश, मनोज, चेनाराम सेन, समुंदर सिंह, सतीश, विजय जैसवाल, नरेश मकवाना, गोपीचंद, भरत मकवाना, भरत चौधरी, सुनील सोलंकी, अनिल जैसवाल, आनंद पांडे, अर्जुन राजपुरोहित, संजय, गोपाल, विकाश आदि उपस्थित रहे।

श्रीराम सेना ने महाआरती का आयोजन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां मुलेकड़े में कुमावत समाज के प्रवासी बंधुओं की श्रीराम सेना ने श्री राम मंदिर कि प्रतिष्ठा के अवसर पर महाआरती एवं प्रसादी का आयोजन किया। संगठन के प्रमुख शिवराम नागौर एवं मोतीलाल नागोरा ने बताया कि प्रभु श्री राम लक्ष्मण सीता व हनुमानजी झांकी सजाई गई। ढोल नगाड़े के साथ बड़े हर्षोल्लास के साथ शोभायात्रा निकाली गई। मारवाड़ में गायों एवं पशु-पक्षी दाना पानी एवं चारे की व्यवस्था के लिए भक्तों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। जिसमें कुमावत समाज चेन्नई के लोगों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

संगठन के अध्यक्ष मदनलाल दुबलदिया, उपाध्यक्ष ताराचंद अडांणीया, कोषाध्यक्ष शिवराम नागोरा एवं समाज के पदाधिकारी इस मौके पर उपस्थित थे।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.